WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

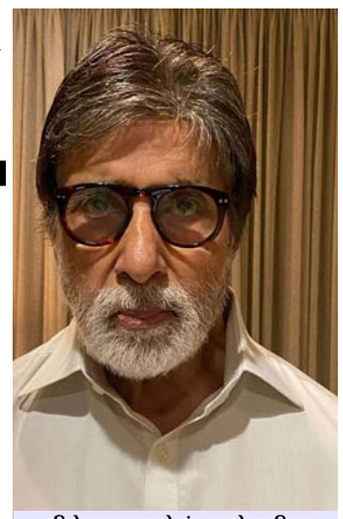

अभिषेक पर यूजर ने तंज कसते हुए किया सवाल-पिता अस्पताल में किसके भरोसे

वर्षः 01 अंक : 225 | लखनऊ, शनिवार, 01 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

अनलॉक-3

निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाए:योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अनलॉक-3 के सम्बन्ध में भारत सरकार की गाइडलाइन्स के क्रम में प्रदेश शासन के निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाए। उन्होंने कन्टेनमेंट जोन के बाहर अनुमन्य की गयी विभिन्न गतिविधियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित कराये जाने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए प्रत्येक स्तर पर पूरी सावधानी व सतर्कता बरतना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत, लोगों को संक्रमण से बचाव के सम्बन्ध में निरन्तर जागरूक किया जाए। जागरूकता अभियान में मास्क के अनिवार्य उपयोग तथा दो गज की दूरी को बनाये रखने के सम्बन्ध में आमजन को जानकारी अवश्य दी जाए। अधिक से अधिक लोगों को आरोग्य सेतु एप तथा आयुष कवच कोविड एप डाउनलोड करने के

लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने 1.15 लाख कोविड-19 टेस्ट प्रतिदिन करने पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि डोर टू डोर सर्वे तथा कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के कार्य को तत्परता से किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि इन कार्यों में कोई लापरवाही न होने पाए। कोविड संक्रमित व्यक्ति को समय से चिन्हित करते हुए उपचार के लिए उसे चिकित्सालय में भर्ती किये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कन्टेनमेंट जोन में प्रतिबन्धों को सख्ती से लागू करते हुए यह सुनिश्चित भी किया जाए कि कन्टेनमेंट जोन में लोगों को आवश्यक सामग्री की उपलब्धता में कोई असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने राज्य मुख्यालय स्थित इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेण्टर में चिकित्सा शिक्षा विभाग के विशेष सचिव स्तर के अधिकारी को तैनात किये जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे यह सेण्टर और बेहतर ढंग से कार्य कर सकेगा। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त एम्बुलेंस वाहनों की व्यवस्था के लिए सी0एस0आर0 फण्ड का उपयोग किया जाए। एम्बुलेंस कर्मियों को कोविड संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए उनका प्रशिक्षण कार्यक्रम निरन्तर जारी रखा जाए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को हर सम्भव राहत और मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित जनता को राहत सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए समुचित चिकित्सीय प्रबन्ध भी किये जाएं। पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की जाए। राहत कार्यों के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त नावों की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री ने गौ आश्रय स्थल में गोवंश के लिए हरे चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गौ आश्रय स्थलों की साफ-सफाई तथा गोवंश के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। समस्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अपने जनपद के गौ आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने जनपद सन्त कबीर नगर में गौ आश्रय स्थल की समस्त व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने तथा गोवंश के लिए हरे चारे की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिये हैं। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री श्री एस0पी0 गोयल, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास तथा पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद एवं सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में एक दिन में कोरोना के सर्वाधिक 4,453 नए मामले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 4,453 नये मामले सामने आये, जो एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। संक्रमण के कारण 43 और मौतें होने से शुक्रवार को मृतकों का आंकड़ा 1630 पहुंच गया। अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि विगत 24 घंटे में संक्रमण के 4,453 नये मामले सामने आये हैं। उपचाराधीन मामलों की संख्या अब 39, 968 हो गई है। आज आए 4453 नये मामले, प्रदेश में एक दिन में आयी सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले बृहस्पतिवार को 3765 नये मामले सामने आये थे, उसी दिन संक्रमण के कारण 57 लोग की मौत हुई थी जो एक दिन में हुई सर्वाधिक मौतों का आंकड़ा है। प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में 48, 663 लोग पूर्णतया उपचारित होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हो चुके हैं। संक्रमण के कारण अब तक 1630 लोगों की जान गयी है। आइसोलेशन वार्ड 34, 973 लोग हैं, जिनका विभिन्न चिकित्सालयों और मेडिकल कालेजों में उपचार चल रहा है

जबकि संस्थागत पृथक-वास केन्द्रों में 2584 लोग हैं, जिनके नमूने एकत्र कर जांच करायी जा रही है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को प्रदेश में जांच का नया रिकॉर्ड बना। एक दिन में कुल 1,15,618 नमूनों की जांचे की गई, यह राष्ट्रीय स्तर पर भी रिकॉर्ड है। राज्य में अभी तक कुल 23, 25, 428 नमूनों की जांच हुई है। बृहस्पतिवार को पूल जांच के माध्यम से पांच-पांच नमूनों के 3358 पूल लगाये गये, जिनमें से 531 में संक्रमण की पुष्टि हुई। दस-दस नमूनों के 302 पूल लगाये गये, जिनमें से 30 संक्रमित मिले। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि आरोग्य सेतु के माध्यम से जिन लोगों को अलर्ट आये, ऐसे 5,54,614 लोगों को स्वास्थ्य विभाग के नियंत्रण कक्ष और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से फोन कर सावधान किया गया है कि आप किसी ना किसी संक्रमित के संपर्क में आये हैं। उन्होंने बताया कि सर्विलांस का कार्य निरंतर चल रहा है। कुल 40, 823 इलाकों में सर्विलांस किया गया और 1, 47, 08, 791 घरों में 7, 44, 89, 777 लोगों का सर्विलांस किया गया।

दिल्ली में कोरोना से राहत नहीं रिकवरी दर 89 फीसदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण मरीजों की संख्या शुक्रवार को फिर एक हजार से अधिक रही जबकि ठीक होने की संख्या में निरंतर वृद्धि से रिकवरी दर 89 प्रतिशत के पार पहुंच गई। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से आज जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान नये मामले 1,195 रहे जबकि सोमवार को यह तेजी से घटकर 613 रह गए थे। दिल्ली में संक्रमितों की कुल संख्या 1,35,598 पहुंच गयी। सोमवार को दिल्ली में 20 जुलाई के बाद कोरोना के मामले फिर एक हजार से कम आए। बीस जुलाई को 54 दिन बाद पहली बार एक हजार से कम 957 मामले

आए थे। दिल्ली के लिये राहत की बात यह है कि मरीजों के स्वस्थ होने की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस दौरान 1,206 मरीजों के ठीक होने से कुल 1,20,930 लोग संक्रमण को शिकस्त दे चुके है और रिकवरी दर बढ़कर 89.18 फीसदी पहुंच गयी जो गुरुवार को 89.07 प्रतिशत रही थी। इस दौरान 27 और लोगों की मौत होने से मृतकों की कुल संख्या 3,963 हो गयी है। राजधानी में सक्रिय मामलों की संख्या भी और घटकर 10,705 रह गई। इसमें से 5763 होम आइसोलेशन में और 2932 अस्पतालों में भर्ती हैं। शेष का अन्य कोविड केंद्रों पर उपचार चल रहा है। कोरोना जांच में पिछले कुछ दिनों में आई तेजी से कुल जांच का आंकड़ा 1,32,785 पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 19 हजार से अधिक जांच की गई। दिल्ली में 10 लाख की जनसंख्या पर जांच का औसत 54,357 पहुंच गया है। इसके अलावा कन्टेनमेंट क्षेत्रों की संख्या 694 से घटकर 692 रह गई है।

कमलनाथ मंदिर पर बोले, ओवैसी ने कहा जालिम

हैदराबाद, एजेंसी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का स्वागत किया है। इसपर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तंज कसा है। ओवैसी ने कमलनाथ के वीडियो को रीट्वीट करते हुए लिखा है, ज़ालिम! दिल की बात जुबां पर आ ही गई। असदुद्दीन ओवैसी ने यह भी कहा कि आपको कार्यालय खोलकर मंदिर के लिए चंदा भी मांग लेना चाहिए। कमलनाथ ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें वह कहते हैं, मै अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का स्वागत करता हूं। देशवासियों को इसकी बहुत दिनों से अपेक्षा और आकांक्षा थी। राम मंदिर का निर्माण हर भारतवासी की सहमति से हो रहा है, यह सिर्फ भारत में ही संभव है।

कानून बनने से तीन तलाक के मामले हुए कमः रविशंकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि नारी न्याय, नारी गरिमा और नारी सम्मान के लिए तीन तलाक पर रोक का कानून बनाया गया और इससे देशभर में तीन तलाक के मामलों में भारी कमी आयी है। श्री प्रसाद ने शुक्रवार को यहां मुस्लिम महिला अधिकार दिवस के अवसर पर वर्चुअल कांफ्रेंस के जरिये देशभर के मुस्लिम महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के बीस से अधिक इस्लामिक देशों में तीन तलाक पर रोक लगायी गयी लेकिन हिन्दुस्तान में इस कानून को बनाने में सत्तर साल लग गया। महिलाओं के खिलाफ उत्पीडन के संबंध कई कानून बनाये गये जिस पर सभी दल एकजुट हो जाते थे लेकिन तीन तलाक के मामले में विवाद देखकर आश्चर्यचकित हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश के सभी महिलाओं के हितों और उनकी रक्षा के लिए कई प्रकार के कानून बनाये हैं जिनमें तीन तलाक भी है। यह कानून नारी न्याय, नारी गरिमा और नारी सम्मान के लिए बनाया गया है। इस कानून के बनने से देश भर में तीन तलाक के मामलों में भारी कमी आयी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ तीन तलाक की बात नहीं करती है बल्कि नारी न्याय, नारी गरिमा और नारी सम्मान लक्ष्य है। सरकार ने अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर सेना में महिलाओं को स्थायी कमिशन देकर महिलाओं के सशक्त किया है।

राज की दो टूक, यादा नहीं चलेगी उद्धव सरकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। राज ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी क्योंकि सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच एकता का अभाव है। उन्होंने कोविड-19 पर कहा कि बीमारी के बारे में लोगों के मन में जो भय है, उसे दूर करना आवश्यक था। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ये सरकार लंबे समय तक चलेगी ... यह मेरी इच्छा नहीं है कि इसे गिरना चाहिए। लेकिन सरकार, जिसमें कोई एकता नहीं है (सत्तारूढ़ साझेदारों के बीच) और जो एक दूसरे से विचार-विमर्श नहीं करते हैं, वो लंबे समय तक नहीं चलेगी। उन्होंने एक मराठी समाचार चैनल की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की।

मर्मस्पर्शी सद्भावना का परिचय देते हुए कोविंद ने भेंट की रेसिंग साइकिल

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने युवाओं को राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रेरित करने वाली सद्भावना का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए रियाज़ नामक स्कूली बच्चे को रेसिंग साइकिल भेंट की तथा उसे शुभकामना दी कि वह साइकिल रेसिंग का अंतरराष्ट्रीय चैम्पियन बने और कठोर मेहनत के बल पर अपना सपना साकार करे। रियाज़ का सपना एक उत्कृष्ट साइक्लिस्ट बनने का है। ईद-उल-ज़ुहा से एक दिन पहले रियाज़ को दी गई यह साइकिल, सही मायनों में उसके लिए ईद के त्योहार पर मिली 'ईदी' जैसी है। रियाज़ की कहानी समाज के गरीब वर्ग से आने वाले उन संघर्षशील युवाओं के लिए बहुत शिक्षाप्रद है, जो अपने भावी जीवन के लिए बड़े सपने देखने का साहस करते हैं। मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिले का रहने वाला रियाज दिल्ली के आनंद विहार स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय में कक्षा नौ का छात्र है। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा दो बहनें और एक भाई है। ये बहन-भाई मधुबनी में ही रहते हैं, जबकि रियाज़ गाजियाबाद के महाराजपुर में किराये के मकान में रहता है। उसके पिता रसोइया के रूप में काम करते हैं। उनकी मामूली आमदनी को सहारा देने के लिए रियाज़, अपने खाली समय में गाजियाबाद के एक भोजनालय में जूठे बर्तन धोने का काम भी करता है। रियाज़ को साइक्लिंग से जुनून की हद तक प्यार है और पढ़ाई तथा काम से फुरसत मिलते ही वह कठिन अभ्यास में जुट जाता है। वर्ष 2017 में, उसने दिल्ली स्टेट साइक्लिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था। गाज़ियाबाद के जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि उसने गुवाहाटी में आयोजित स्कूली खेल स्पर्धा में भाग लिया और राष्ट्रीय स्तर पर चौथी रैंक हासिल की। अपनी अब तक की उपलब्धियों से उत्साहित होकर रियाज़ ने अपने लिए एक बड़ा लक्ष्य तय किया है और श्री प्रमोद शर्मा नाम के कोच से पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त करने लगा है। वह नियमित रूप से दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में प्रशिक्षण लेता है।

बिहार में 3000 करोड़ की लागत से गंगा पर नये पुल का होगा निर्माणः गडकरी

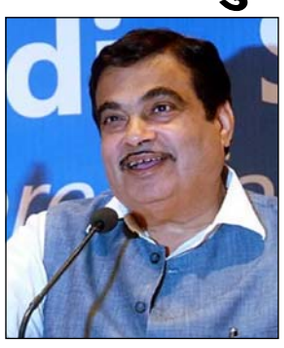

पटना, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाजरानी, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार के पटना जिले में गंगा नदी पर 3000 करोड़ रुपये की लागत से नये चार लेन पुल का निर्माण कराये जाने की आज घोषणा की। श्री गडकरी ने शुक्रवार को बिहार का लाइफलाइन माने जाने वाले महात्मा गांधी सेतु के पश्चिमी लेन के सुपर स्ट्रक्चर का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद पटना जिले में गंगा नदी पर 3000 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन पुल का निर्माण कराये जाने की घोषणा की और कहा कि पांच किलोमीटर लंबे इस पुल की इस वर्ष अगस्त में निविदा आमंत्रित की जाएगी और अक्टूबर से इसके निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। इस महत्वाकांक्षी पुल का निर्माण कार्य मार्च 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी सेतु के जीर्णोद्धार का काम काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। लेकिन, उन्हें खुशी है कि इस सेतु का पश्चिम भाग का निर्माण पूरा हो गया और आज इसे आवागमन के लिए खोल दिया गया है।

विकास के लिए ग्राम उद्योग को बढ़ावा देना जरूरी

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बिहार समेत देश के विकास के लिए ग्राम उद्योग को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। श्री गडकरी ने शुक्रवार को पटना के महात्मा गांधी सेतु के पश्चिमी लेन के सुपर स्ट्रक्चर का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद कहा कि गरीबी, मुखमरी और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है। गरीबी दूर करने के लिए रोजगार का सृजन करना जरूरी है और बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन ग्राम उद्योगो को बढ़ावा देकर ही किया जा सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा, देश के ग्राम उद्योग का पिछले वर्ष मार्च तक 88 हजार करोड़ टर्नओवर था।

सोनिया गांधी अभी अस्पताल में ही भर्ती हालत में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की हालत में सुधार हो रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को राजधानी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन में दी गई। नैशनल अडवाइजरी कार्उंसिल की चेयरपर्सन रहीं 73 साल की गांधी को गुरुवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि सोनिया गांधी को गुरुवार शाम करीब 7 बजे नियमित जांच के लिए भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, सोनिया की हालत स्थिर है। अस्पताल की तरफ से जारी हेल्थ बुलेटिन में अस्पताल बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर डीएस राना के हवाले से बताया गया था कि उनकी हालत स्थिर है। बता दें कि सोनिया ने सोमवार सुबह पार्टी के रायसभा सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के साथ बैठक भी की थी।

सज्जाद लोन एक वर्ष की नजरबंदी के बाद रिहा

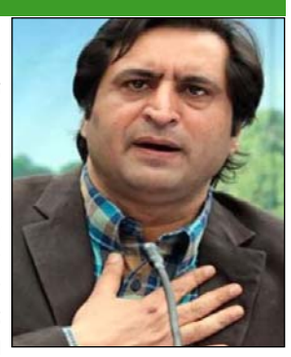

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन को लगभग एक वर्ष की नजरबंदी के बाद शुक्रवार को रिहा कर दिया गया। श्री लोन ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर कहा, आखिरकार नजरबंदी का एक वर्ष पूरा होने से पांच दिन पहले मुझे आधिकारिक तौर पर सूचित किया गया है कि मैं आजाद हूं। बहुत कुछ बदल गया है और मैं भी। जेल जाना नया तजुर्बा नहीं है। पहले वाले कठोर थे और शारीरिक प्रताड़ना वाले थे लेकिन यह मनोवैज्ञानिक रूप से निचोड़ देने वाला था। साझा करने के लिए बहुत कुछ है, आशा है जल्द ही करुंगा। उनकी पार्टी ने ट्विटर पर कहा, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष श्री सज्जाद गनी लोन को 360 दिन तक नजरबंद रखने के बाद आधिकारिक तौर पर रिहा कर दिया गया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में मंत्री रहे श्री लोन को पांच अगस्त को गिरफ्तार किया गया और एमएलए हॉस्टल में रखा गया था। जम्मू-कश्मीर में पांच अगस्त को केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 खत्म किये जाने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद 35 से अधिक पूर्व मंत्रियों, विधायकों और राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं को एमएलए हॉस्टल में नजरबंद रखा गया था।

राजस्थान में सियासी उठापटक

गहलोत खेमे के 95 विधायक जयपुर से जैसलमेर शिफ्ट किए गए

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान के सियासी घमासान का शुक्रवार को 22वां दिन है। इस बीच, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे के 95 विधायकों को 3 स्पेशल प्लेन से जयपुर से जैसलमेर शिफ्ट किया गया। बताया जा रहा है कि प्लेन में जगह नहीं होने के कारण 2 विधायक अमित चंदन और जगदीश चंद्र वापस फेयरमॉन्ट होटल लौट आए। ये दोनों कल सुबह रवाना होंगे। गहलोत भी जैसलमेर पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि गहलोत बाद में जयपुर लौट आएंगे। सरकारी कामकाज देखने के लिए उनके साथ 3-4 मंत्री जयपुर में ही रहेंगे। सभी विधायक पिछले 18 दिन यानी 13 जुलाई से जयपुर के फेयरमॉन्ट होटल में ठहरे थे। गहलोत ने 102 विधायकों के समर्थन का दावा किया है। जैसलमेर में विधायकों को फाइव स्टार होटल सूर्यगढ़ में ठहराया गया है। विधानसभा सत्र शुरू होने तक एमएलए वहीं रहेंगे। राज्यपाल कलराज मिश्र ने 14 अगस्त से सत्र की मंजूरी दी है। एयरपोर्ट पर गहलोत ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि पूरे देश को राजस्थान का घटनाक्रम पता है। भाजपा नेता किस तरह से खेल खेल रहे हैं। हमारे साथियों को षड्यंत्र करके मानेसर में रखा गया है। माहौल ऐसा बन गया कि राजस्थान में क्या हो रहा है। अब 14 को विधानसभा का सत्र होगा। उन्होंने कहा कि हमारे विधायक 15 दिन से ज्यादा समय से होटल में बैठे हैं। हमारे विधायक इतने दिनों से एक जगह बैठे-बैठे मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे थे, इसलिए इन्हें शिफ्ट करने का फैसला किया गया। इससे दबाव कम होगा। इस खेल में केंद्र सरकार भी लग गई गहलोत ने कहा कि मंत्री आते-जाते रहेंगे। हम सरकार में लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन सरकार बचाना जरूरी है, क्योंकि केंद्र सरकार खुद लग गई है। इसके बावजूद हम सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह का नाम इसलिए लेता हूं, क्योंकि फ्रंट पर वही आते हैं। चाहे गोवा हो या मणिपुर हो। इसलिए कहना पड़ता है अमित शाह जी आपको क्या हो गया है? आप रात-दिन जागते हुए हर वक्त सोचते हैं कि सरकार कैसे गिराऊं।

होटल सूर्यगढ़ की सुरक्षा बहुत सख्त

जैसलमेर में सम रोड पर स्थित होटल सूर्यगढ़ किसी प्राचीन किले जैसा दिखता है। इसमें एक ही मेन गेट है, इसलिए इसमें किसी बाहरी व्यक्ति को आसानी से प्रवेश नहीं मिल पाता। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस होटल को चुना गया। पीले पत्थरों पर शानदार कारीगरी के साथ बने इस होटल के मालिक मेघराज सिंह है। प्रदेश में शराब कारोबार पर उनका कभी एकछत्र राज था। बाद में वे रॉयल्टी ठेके लेने लगे। मेघराज का एक होटल बीकानेर में भी है। जैसलमेर का होटल मेघराज के बेटे मानवेन्द्र सिंह संभालते हैं।

मोदी के स्वागत को तैयार अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 अगस्त के राम मंदिर भूमि पूजन को लेकर जहां कोरोना संक्रमण को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है वहीं तैयारियां भी जोरों पर है। वरिष्ठ अधिकारियों ने पीएम के हेलिपैड और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा मानकों का जायजा लेने मुख्य सचिव और डीजीपी भी पहुंचने वाले हैं। इस बीच केंद्रीय पर्यटन मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री, भी अयोध्या पहुंच गए हैं। केंद्रीय मंत्री और अन्य लोग रामलला और हनुमान गढ़ी का दर्शन करने के बाद सर्किट हाउस में अधिकारियों की बैठक करेंगे। कार्यक्रम की जितने लोगों को आमंत्रित किया गया है।

सूचना

समस्त पाठकों को ईद अल-अज़हा की हार्दिक शुभकामनाएं, इस अवसर पर कार्यालय में दिनांक 01-08-2020 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 03-08-2020 को प्रकाशित होगा।

विधान सभा के समक्ष आत्म दाह के प्रयास को रोकने के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया के गठन पर पुलिस कर्मीयो को सम्बोधित करते आईपीएस नवीन अरोरा

पति व बेटे ने मिलकर महिला के प्रेमी को उतारा मौत के घाट

तीन गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में अवैध संबंधों के कारण एक व्यक्ति की गला दबाकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद हत्यारों ने शव को नाले के किनारे दफ्ना दिया। घटना का खुलासा तो तब हुआ जब मृतक की बहन ने पारा थाने में मृतक उदयराज की गुमशुदगी दर्ज कराई। जब मामले की जांच पड़ताल शुरू हुई तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। जिसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी अनुसार, पुलिस ने हत्यारों की निशानदेही पर बीती रात 3रू00 बजे नाले के किनारे से उदय राज के शव को बरामद किया। जिसके बाद शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मूलरूप से अमेठी के रहने वाले उदयराज यादव उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र श्री नाथ यादव निवासी पूर्वी दिन खेड़ा पारा की हत्या छेदु रावत पुत्र मोहन ग्राम बेलहार माल ने अपने पुत्र व पत्नी के साथ मिलकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

बता दें कि, घटना 6 जुलाई की रात 10.00 बजे की है। घटना के बाद हत्यारों में उदयराज के शव को नाले के किनारे दफ्ना दिया और फ्रार हो गए। 21 जुलाई को मृतक उदय राज की बहन रामदुलारी ने गुमशुदगी की रिपोर्ट पारा थाने में दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू की। आस-पास से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने आरोपी छेदु पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। जिसके बाद घटना का खुलासा हुआ। एसीपी काकोरी काशिम आबिद ने बताया कि छेदु रावत की पत्नी राजेश्वरी का अवैध संबंध उदयराज से था। उन दोनों के संबंध से एक पुत्र भी हुआ था। छेदु के कुल 8 बच्चे हैं। छेदु ने 6 जुलाई की रात अपनी पत्नी जागेश्वरी व पुत्र जोगेंद्र के साथ मिलकर उदयराज की गला दबाकर हत्या कर दी। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उन्होंने हत्या करने से पहले उदय राज को शराब पिलाया था। जब वह नशे में हो गया तो तीनों ने मिलकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उदयराज बोरिंग का काम करता था। आंखों से कम दिखाई देने के कारण प्रॉपर्टी का भी काम करने लगा था। वही हत्यारा छेदु मजदूरी करता है और पूर्वी दिन खेड़ा नाले के ऊपर घर बनाकर अपने परिवार कर साथ रहता है। आरोपियों ने बताया कि दोनों के बीच करीबन 25 साल से अवैध संबंध थे। लॉकडाउन के दौरान वह अपनी पत्नी को लेकर चंडीगढ़ चला गया था। जब लॉकडाउन खत्म हुआ तो वह अपनी पत्नी के साथ पुनः पूर्वी दिन खेड़ा आ गया। जहां फ्रि जागेश्वरी देवी उदय राज यादव के संबंध में आ गई। यह बात छेदु को नागवार गुजरी उसने हत्या की रणनीति बनाते हुए जागेश्वरी को जान से मारने की धमकी देकर अपने कृत्य में शामिल कर लिया और अपने बेटे जोगेंद्र के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी।

प्राइम डे के दौरान एक हजार से ज्यादा लान्च होंगे नये प्रोडक्ट

लखनऊ, संवाददाता। अमेजन का प्राइम डे सेल 6 अगस्त की आधी रात से शुरू हो रही है जो 48 घंटे तक चलेगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स के पास मनपसंद शॉपिंग करने के लिए दो दिनों का वक्त होगा. आपकी सेफ्टी और कम्फर्ट के लिए आपको घर पर रहते हुए ही बचत और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के लिए पूरे दो दिन का समय मिलेगा। अमेजन डॉट इन पर 100 से अधिक लघु और मध्यम व्यवसायों स्टार्ट-अप्स इस साल प्राइम डे पर 17 श्रेणियों में 1000 से अधिक नए प्रोडक्ट्स को लॉन्च करेंगे। अमेजन सेलर्स पर हजारों लोकल शॉप्स इस साल भारत में प्राइम डे पर अपना डेब्यू करेंगी। अमेजॅन के लॉन्चपैड प्रोग्राम के तहत स्टार्ट-अप और छोटे व्यवसायों को हेल्थ, पर्सनल केयर, ब्यूटी और ग्रूमिंग, किराना और घरेलू प्रोडक्ट्स जैसी श्रेणियों में यूनिक और विभिन्न उत्पादों को लॉन्च किया जाएगा, जिसमें विशेष पीएम 2.5 एलईडी डिस्प्ले के साथ पोर्टेबल एयर प्यूरीफायर शामिल हैं कोरल ट्री से बेल्जियम वफ्ल बाउल मेकर सिरोना हायजिन से हाइड्रोजेल पॉपर्टीज के साथ प्रेगनेंसी और पोस्ट-प्रेगनेंसी पैन रिलीफ पैच थियो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से मैग्नेटिक एलईडी असीमेट्रिक्स डेस्क लैंप पोर्टेबल आई मसाजर और अन्य लॉन्चपैड एक वैश्विक कार्यक्रम है जो अमेजॅन के लाखों लोगों के लिए स्टार्टअप और उभरते ब्रांडों से यूनिक और विभेदित उत्पादों का प्रबंध करता है और उन्हें वितरित करता है। अमेजन इंडिया के सेलर एक्सपीरियंस डायरेक्टर प्रणव भसीन ने कहा, ÷यह प्राइम डे छोटे और मध्यम कारोबार को देश के लाखों प्राइम मेंबर्स तक पहुंचाने में मदद करेगा। यह छोटे से छोटे व्यवसायों को भाग लेने, हाल की चुनौतियों से लड़ने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस साल, अमेजॅन प्रोग्राम पर स्थानीय दुकानों के रूप में हजारों ऑफ्लाइन खुदरा विक्रेता प्राइम डे में भाग ले रहे हैं और जिन्हे हाई कस्टमर डिमांड से लाभान्वित होने का मौका मिलेगा।

नगर आयुक्त पर मेयर की शिकायत की सतर्कता जाँच कराये सरकार

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया द्वारा प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग को लखनऊ नगर आयुक्त इन्द्रमणि त्रिपाठी तथा मुख्य अभियंता आर एन त्रिपाठी के संबंध में भेजे गए गोपनीय पत्र संख्या 347ध्महापौरध्20 दिनांक 26 जुलाई 2020 के सन्दर्भ में अविलंब प्रकरण की सतर्कता जाँच कराये जाने की मांग की है, सुश्री भाटिया ने तेलीबाग निवासी अतीक उर रहमान द्वारा प्रेषित दो पत्रों के आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना को भेजे गए अपने पत्र में कहा है कि शिकायतकर्ता ने इन दोनों अफ्सरों द्वारा निविदाओं में लूटपाट, भ्रष्टाचार एवं काले धन को रिश्तेदारों के माध्यम से ठिकाने पर लगाने व अवैध अचल संपत्ति बनाने के आरोप लगाये हैं।

ईद उल अजहा पर भी एहतियात करें

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फ्रंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने कहा कि पूरे देश में 01 अगस्त को ईद उल अजहा होगी। इस मुबारक अवसर पर पहली, दूसरी और तीसरी अगस्त को कुर्बानी की जायेगी। इन तीनों दिन कुर्बानी करना कोई रस्म नही बल्कि खुदापाक की पसन्दीदा इबादत है। मौलाना फ्रंगी महली ने ईद उल अजहा की नमाज के सिलसिले में हिदायत देते हुए कहा कि जिस जगह 4 लोग हों तो वह ईद की नमाज जमाअत के साथ अदा करें और जहॉ 4 से कम हों तो वह हजरात 4 रकआत नफ्ल चाश्त अदा करें। ईद की नमाज के बाद खुतबा पढ़ना मसनून है। अगर खुतबा याद न हो और खुतबे की कोई किताब भी न हो तो पहले खुतबे में सूरह फ्तिहा और सूरह अखलासघ् और दूसरे खुतबे में दुरूद शरीफ के साथ अरबी में कोई दुआ पढ़े। ईद उल अजहा का खुतबा इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फ्रंगी

महल के वेब पेज पर मौजूद है। खुतबे के बाद कोविड-19 के अन्त के लिए विशेष दुआयें की जायें। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि कोविड-19 को देखते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन के उपायों और सरकार के सुरक्षा के आदेशों और मजहबी उसूलों की रौशनी में कुर्बानी के सिलसिले में एहतियात से काम लेते हुए कुर्बानी करने वाला नया मास्क, नए ग्लवज पहनके अवजारों को पूरी तरह सैनेटाइज करें, कुर्बानी के समय एक स्थान पर 5 से अधिक लोग जमा ना हों, कुर्बानी के स्थानों पर सैनेटाइजेशन, मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे आदेशों पर जरूर अमल किया जाए, उन स्थानों पर सफ्ाई सुत्थराई का विशेष एहतिमाम किया जाए, सड़क के किनारे, गली और पब्लिक स्थानों पर जानवर न काटा जाए, जानवरों की गन्दगी रास्तों या पब्लिक स्थानों पर न फेंके बल्कि नगर निगम के कोड़ेदानों ही का प्रयोग करें, कुर्बानी के जानवरों का खून नालियों में न बहायें। ऐसा करना ना पसन्दीदा है और स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। उसको कच्ची जमीन में दफ्न कर दें ताकि वह पौधों और पेड़ों की खाद बन सके, जानवर के गोश्त की तकसीम अच्छी तरह पैक करके की जाए, गोश्त का तिहाई हिस्सा गरीबों और जरूरत मन्दों को जरूर दिया जाए, जानवर काटते समय जानवर की फ्टो या वीडियो न बनायी जाए और न उसको सोशल मीडिया पर अपलोड किया जाए, जानवर की खालें खुदा की राह में सद्का करें।

औपचारिकता मात्र बन गया एंटीजन कोरोना टेस्टिंग कैम्प

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ मुख्यमंत्री कोरोना की टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने पर लगातार जोर दे रहे है। उसी कड़ी में प्रत्येक वार्ड में नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग तथा स्थानीय सभासद के सहयोंग से निःशुल्क एंटीजन कोरोना टेस्टिंग कैम्प लगाये जा रहे है। परन्तु स्थानीय सभासद की लापरवाही से कोरोना टेस्टिंग क्षमतानुसार नहीं हो पा रहीं है जबकि इस टेस्टिंग के माध्यम से ही बहुत से निवासी कोरोना पॉजिटिव निकल रहे है। ताजा मामला शीतला देवी वार्ड-82 का है। टिकैतराय तालाब स्थित रामजानकी मंदिर पर लगे निःशुल्क एंटीजन कोरोना टेस्टिंग कैम्प में मात्र पैतालिस लोगों का ही पंजीकरण किया गया। जॉच काराने आये स्थानीयय निवासी आशीष ने बताया कि सभासद साधना वर्मा की लापरवाही से टेस्टिंग किट कम ही आयी थी। जॉच के लिये केवल पैतालिस नाम ही लिखे गये। बाकी लोगों को वापस कर दिया गया। वैसे भी लोग निःशुल्क होने के बाद भी जॉच कराने आ नहीं रहे है। और जो लोग आ भी रहे है तो उनको वापस लौटना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री एंटीजन टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने को कह रहे है और उन्ही के नुमाइन्दे उनके किये कराये पर पानी फेर रहे है। स्थानीय निवासियों के अनुसार सभासद साधना वर्मा का फोन 8090686623 उठता ही नहीं है बंद ही रहता है। बाद में लोगों को बताया गया कि टेस्टिंग किट कम आने से बाकी जॉच कल की जायेगी।

कोरोना जांच शिविर में सबसे पहले पार्षद ने करवाई जांच

पीपीई किट से लैस डाक्टरो ने कोरोना जांच कर लोगो को सौंपी रिपोर्ट

लखनऊ, संवाददाता। वैश्विक महमारी कोविड 19 कोरोना वायरस के फैलते हुए दायरे को रोकने के लिए सरकार द्वारा वार्ड स्तर पर कैम्प लगा कर लोगो की कोरोना जांच का सिलसिला अब तेज कर दिया गया है। शुक्रवार की सुबह पुराने लखनऊ की घनी आबादी वाले क्षेत्र मौलाना कल्बे आबिद वार्ड प्रथम में कश्मीरी मोहल्ला स्थित शरगा पार्क के पास लगाए गए कोरोना जांच शिविर में सबसे पहले पार्षद तनवीर हुसैन ने अपनी जांच करा कर लोगो को जांच कराने के लिए जागरूक किया। जांच के एक घण्टे बाद आई रिपोर्ट में पार्षद तनवीर हुसैन गुड्डू निगेटिव पाए गए। पार्षद को जांच कराता देख स्थानीय लोगो मे हिम्मत बढ़ी तो शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे तक पार्षद के अलावा 20 अन्य लोगो ने भी कोरोना की जांच कराई। शुक्रवार की सुबह जब डाक्टर प्रियंका, डाक्टर रागिनी के साथ वार्ड अधिकारी श्रीवास्तव, निरीक्षक एसके कटियार, रोहित यादव, फार्मासिस्ट निशा पाल स्टाफ नर्स प्रिया कश्यप ने पहुच कर कैम्प की शुरुआत की तो जांच में पाजीटिव आने का लोगो मे डर साफ देखा गया। स्थानीय लोग अपनी जांच कराने में डरे सहमे दिखे तो स्थानीय पार्षद तनवीर हुसैन गुड्डू ने लोगो की हौसला अफ्जाई करने के लिए सबसे पहले खुद अपनी जांच करवाई तो जांच में पता चला की पार्षद कोरोना मुक्त है और उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई । पार्षद ने स्थानीय लोगो को जांच कराने के लिए समझाया तो एक के बाद एक 20 लोग सामने आए और कोरोना जांच शिविर में पहुच कर अपनी जांच करवाई। 20 लोगो की जांच की जब रिपोर्ट आई तो लोगो ने निगेटिव रिपोर्ट देख कर राहत की सांस ली। कोरोना जांच शिविर लगने से पहले शरगा पार्क के आसपास के पूरे इलाके को सेनेटाइज कराने के साथ ही साफ सफाई भी कराई गई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान देश से प्रेम करने वाले किसी भी देश प्रेमी के लिये पीड़ादायकः प्रमोद तिवारी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव द्वारा दिया गया बयान कि'' इस मकसद को हासिल करने की दिशा में कुछ प्रगति हुई है लेकिन अभी तक सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। सैनिकों की वापसी पूरी तरह से नहीं हुई है'। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान देश से प्रेम करने वाले किसी भी देश प्रेमी भारतीय के लिये पीड़ादायक है। चीन की तरफ्से पैंगोंग लेक, गोगरा, हॉट स्प्रिंग, गलवन वैली और देसपांग में नयी एल.ए.सी. निर्धारित करने की कोशिश हो रही है । चीन ने भारतीय सीमा का जितना अतिक्रमण किया था उससे थोड़ा पीछे तो हटा है किन्तु वास्तविक तौर पर अभी भी वह एल.ए.सी. के काफी भीतर है। श्री तिवारी ने कहा है कि यदि चीन एल.ए.सी. के इस तरफ्भारत भूमि के अन्दर है तो आदरणीय प्रधानमंत्री जी का वह बयान कि '''' न तो कोई हमारी सीमा में घुसा है और न ही हमारी कोई पोस्ट किसी के कब्जे में है''। यह देश का सबसे बड़ा ''राष्ट्र को गुमराह'' करने वाला झूँठा बयान है। ''सेटेलाइट'' की तस्वीरें भी भारतीय विदेश मंत्रालय के कथन का समर्थन कर रही है तो फ्रि आदरणीय प्रधानमंत्री जी इस तरह का झूँठा बयान देकर देश को क्यों गुमराह कर रहे हैं ? यह देश की जनता का विश्वास पर गहरा आघात है। प्रधानमंत्री जी को देश के सामने ''सेटेलाइट'' की फ्टो के साथ स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए। श्री तिवारी ने कहा है कि सी.बी.आई. अदालत ने जया जेटली, गोपाल पचरवाल तथा सेवानिवृत्त मेजर जनरल एस. पी. मुरगई को चार- चार साल की सजा सुनाते हुये एक- एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। तीनों को हाथ से चलाये जाने वाले ''थर्मल इमेजर्स'' की कथित खरीद मामले में भ्रष्टाचार तथा अपराधिक साजिश रचने का दोषी पाया गया था। भारतीय जनतापार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे स्व. बंगारू लक्ष्मण जी और भा.ज.पा. सरकार के तत्कालीन रक्षा मंत्री के आवास पर ली गयी रिश्वत के प्रकरण में अब सजा की मुहर लग गयी है। अपने विद्वतापूर्ण निर्णय में तल्ख टिप्पणी करते हुये कहा कि ''रक्षा खरीद सौदों में भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इनका हमारे देश की स्वतंत्रता और सम्प्रभुता पर सीधा असर पड़ता है।

कोरोना काल में डाक से राखी भेजने की बढ़ी तादाद

डाक विभाग ने राखी हेतु किये विशेष प्रबंध, रविवार को भी होगा राखी डाक का वितरण

लखनऊ के डाकघरों से भेजी गईं एक लाख से ज्यादा राखी

लखनऊ, संवाददाता। रक्षाबंधन का त्यौहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राखी भेजने का कार्य भी उतना ही तेज हो गया है। कोरोना संक्रमण के बीच इस बार की राखी भी अलग तरह से मनाई जा रही है। बहनें डाकघरों से स्पीड पोस्ट द्वारा अपने भाईयों को राखी भेज रही हैं तो भाई भी एडवांस में बहनों को गिफ्ट भेज रहे हैं। लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र के निदेशक डाक सेवाएँ कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि कोरोना संक्रमण और बारिश के मौसम के बीच राखी सुरक्षित रूप में व तीव्र गति से भेजी जा सके, इसके लिए डाक विभाग ने विशेष प्रबन्ध किये हैं। राखी त्यौहार के मद्देनजर रविवार (2 अगस्त) को भी राखी डाक का पोस्टमैनों द्वारा वितरण किया जायेगा, ताकि किसी भाई की कलाई सूनी न रहे।डाक निदेशक कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि लखनऊ परिक्षेत्र के डाकघरों से 12 हजार से ज्यादा वाटरप्रूफ डिजायनर राखी लिफाफों की बिक्री हो चुकी है। डाक विभाग इन लिफाफों पर कोरोना से बचाव के स्लोगन इस्तेमाल करके लोगों को कोविड 19 के प्रति जागरूक भी कर रहा है। पूर्व वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष डाक द्वारा राखी भेजने की तादाद बढ़ी है, क्योंकि कोविड 19 के चलते तमाम बहनें अपने भाईयों के पास नहीं पहुँच पा रही हैं। अकेले लखनऊ के डाकघरों से अब तक एक लाख से ज्यादा राखी डाक भेजी जा चुकी हैं, वहीं लगभग दो लाख राखी डाक का लखनऊ में वितरण किया जा चुका है। इस साल एक नया ट्रेंड भी देखने को मिल रहा है कि बहनें राखियों के साथ भाईयों को मास्क, सैनिटाइजर व गिलोय भी भेज रही हैं। डाक निदेशक श्री यादव ने कहा कि, बंद ट्रेन संचालन व अन्य ट्रांसपोर्ट साधनों के सीमित आवागमन के मद्देनजर डाक विभाग ने अपना स्वयं का रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क तैयार किया है, ताकि राखी सहित तमाम डाक को तेजी से आगे भेजा जा सके। देश के साथ-साथ विदेशों में भी स्पीड पोस्ट द्वारा राखी भेजी जा रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में रह रहे अपने भाईयों को बहनें स्पीड पोस्ट द्वारा राखी भेज रही हैं। चीफ पोस्टमास्टर, लखनऊ जीपीओ आर.एन यादव ने बताया कि राखी डाक की स्पेशल सॉर्टिंग के साथ-साथ इनका त्वरित वितरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। राखी पर्व के चलते सामान्य दिनों से डाक लगभग दुगुनी हो गई है। प्रवर अधीक्षक रेल डाक सेवा, लखनऊ बीपी त्रिपाठी ने बताया कि, राखी पोस्ट की सॉर्टिंग हेतु आरएमएस में स्पेशल सेट चलाये जा रहे हैं।

भूमि पूजन में निमंत्रण न मिलने से नाराज दलित महामंडेलश्वर, मायावती ने कहा-न्योता नहीं देना निराशाजनक

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या में 5 अगस्त को होने वाले श्रीराम भूमि पूजन कार्यक्रम में दलित महामंडेलश्वर कन्हैया प्रभुनंदन गिरि को निमंत्रण नहीं देने पर निराशा व्यक्त करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने सलाह दी है कि उपेक्षा और तिरस्कार से पीड़ित दलित समाज को धर्म कर्म के चक्कर में पड़ने की बजाय श्रम कर्म पर ध्यान देना चाहिये। मायावती ने ट्वीट कर कहा, '1. दलित महामंडलेश्वर स्वामी कन्हैया प्रभुनन्दन गिरि की शिकायत के मद्देनजर यदि अयोध्या में 5 अगस्त को होने वाले भूमिपूजन समारोह में अन्य 200 साधु-सन्तों के साथ इनको भी बुला लिया गया होता तो यह बेहतर होता। इससे देश में जातिविहीन समाज बनाने की संवैधानिक मंशा पर कुछ असर पड़ सकता था।' वैसे जातिवादी उपेक्षा, तिरस्कार व अन्याय से पीड़ित दलित समाज को इन चक्करों में पडने के बजाए अपने उद्धार हेतु श्रम,कर्म में ही ज्यादा ध्यान देना चाहिए व इस मामले में भी अपने मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बताए रास्ते पर चलना चाहिए, यही बीएसपी की इनको सलाह है।' देश के एकमात्र दलित महामंडलेश्वर स्वामी कन्हैया प्रभु नंदन गिरि ने भूमि पूजन कार्यक्रम के मेहमानो की सूची में अपना नाम नहीं होने से खिन्नता व्यक्त करते हुये दलितों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होने कहा कि पहले मंदिर निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट में किसी दलित को जगह नहीं दी गई और उसके बाद अब भूमि पूजन समारोह में भी इस समुदाय की उपेक्षा की जा रही है। संत कन्हैया प्रभु नंदन गिरि 13 अखाड़ों के इकलौते दलित महामंडलेश्वर हैं। बता दें कि कन्हैया प्रभुनन्दन गिरि राम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य हैं। इस समारोह के लिए वह इसलिए भी खास हैं क्योंकि 1989 में राम जन्मभूमि निर्माण की पहली ईंट भी उन्होंने रखी थी। इस संबंध में साधु-संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने कहा कि सन्यासी जीवन में आने के बाद संत की कोई जाति नहीं रह जाती।

अयोध्या भूमिपूजन पर पीएम मोदी, योगी को धन्यवाद

वैष्णवी शुक्ला ने एक घण्टे राम भजनों पर किया कथक, बॉलीवुड एवं क्लासिकल नृत्य

लखनऊ, संवाददाता। पूरे देश को जिस शुभ घड़ी का इंतजार था वह शुभ घड़ी 5 अगस्त को आने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में भूमिपूजन करने जा रहे हैं। हिंदओं की आस्था एवं विश्वास के प्रतीक अयोध्या में भूमि पूजन को लेकर पूरे देश को काफी समय से इंतजार था। पीएम मोदी एवं यूपी के सीएम योगी के अथक प्रयासों के फ्ल स्वरुप यह शुभ दिन आया है। श्री राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के शुभ अवसर पर राजधानी लखनऊ की उभरती बाल नृत्यांगना वैष्णवी शुक्ला ने शुक्रवार को दोपहर तीन बजे से नॉनस्टॉप एक घंटे तक कथक,बॉलीवुड एवं क्लासिकल मिक्स विधा में श्री राम के भजनों में नृत्य करके भूमि पूजन का स्वागत एवं पीएम मोदी और सीएम योगी का आभार व्यक्त किया। अपने इंट्रोडक्शन के साथ वैष्णवी शुक्ला ने अलीगंज स्थित अपने निवास स्थान से सीटीसीएस फैमिली के फेसबुक पेज पर लाइव आकर धन्यवाद प्रस्तुति शुरू की। जनकपुरी में धनुष को तोड़ा, सीता जी से नाता जोड़ा से प्रारंभ करके, रघुपति राघव राजा राम, हरि भज ले तू भज ले रे प्राणी, श्री राम चालीसा सहित कई भजनों पर अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी। वैष्णवी ने पीएम मोदी एवं सीएम योगी को अपना धन्यवाद देते हुए कहा की भूमिपूजन की शुभ घड़ी में उनके योगदान के कारण ही वर्षों के विवाद से मुक्ति मिली एवं भव्य मंदिर निर्माण होने की शुरुआत होने वाली है। वैष्णवी ने कुल एक घण्टे चार मिनट एवं इक्कीस सेकण्ड की प्रस्तुति दी जिसमे दो मिनट प्रारंभ में सीएम एवं पीएम को संबोधित धन्यवाद एवं अंत मे छत्तीस सेकण्ड का आभार वक्तव्य किया है। इस लाइव कार्यक्रम का आयोजन सीटीसीएस फैमिली एवं अंजली फिल्म प्रोडक्शन्स के निर्देशन में चल रहे बालमंच के द्वारा किया गया है। बालमंच बच्चों की प्रतिभा निखारने एवं बच्चों के सांस्कृतिक विकास में मदद करता है। भूमिपूजन के शुभ अवसर पर इस लाइव सांस्कृतिक कार्यक्रम का कांसेप्ट बृजेन्द्र बहादुर मौर्य के द्वारा एवं इसको कार्यान्वित करने में आलोक अग्रवाल मुख्य रूप से रहे हैं। कोरोना काल मे देश कोरोना से लड़ते हुए भारतवर्ष की संस्कृति अयोध्या में भूमिपूजन से फ्रि से भव्य होने जा रहा है ऐसे में देश के पीएम एवं प्रदेश के सीएम का धन्यवाद राम के ही भजनों पर निश्चय ही एक नई ऊर्जा का संचार करेगा अंजली फिल्म प्रोडक्शन्स से अंजली पांडेय ने बताया की भविष्य में भी जन जागरूकता एवं धर्म संस्कृति से संबंधित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन की भी योजना है।

भारी बारिश से गोमती नगर में गलियों में जल भराओ।

जिला उद्योग व्यापार मंडल ने भी बाजार बंद करने की किया मांग

➲ कोरोनावायरस संक्रमण के बढ़ते प्रभाव के कारण व्यापारी चाह रहे बाजार बंदी

➲ व्यापार मंडल का कंछल गुट एक दिन पहले कर चुका है मांग

बिन्दकी, फतेहपुर । नगर में कोरोनावायरस संक्रमण के बढ़ते प्रभाव के कारण जिला उद्योग व्यापार मंडल की नगर इकाई ने भी उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कम से कम 1 सप्ताह के लिए पूरी तरह से बाजार बंद करने की मांग किया है ज्ञापन में कहा गया है कि यदि बाजार बंद नहीं की गई तो नगर की स्थिति बहुत खराब हो सकती है उप जिलाधिकारी ने व्यापार मंडल के लोगों को आश्वासन दिया है कि उच्चाधिकारियों से इस मामले में विचार विमर्श कर जल्द ही निर्णय लेंगे।

शुक्रवार को जिला उद्योग व्यापार मंडल की नगर इकाई के अध्यक्ष सुशील कुमार गुप्ता उर्फकल्लू लोहिया के नेतृत्व में जिला उद्योग व्यापार मंडल नगर इकाई के कई पदाधिकारी व सदस्य तहसील में उप जिलाधिकारी कार्यालय के सामने पहुंचे जहां पर एसडीएम आशीष कुमार को एक ज्ञापन देकर मांग किया कि नगर में कोरोनावायरस संक्रमण का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रतिदिन कोरोना पॉजिटिव केस मिल रहे हैं इसको देखते हुए कम से कम एक सप्ताह के लिए पूरी तरह से बाजार बंद करा दी जाए ज्ञापन में कहा गया है कि कोरोनावायरस संक्रमण नगर में बढ़ता जा रहा है लेकिन लोग बेवजह घरों से बाहर निकलते हैं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो पा रहा लोग मास्क भी नहीं लगाते ऐसी स्थिति पर तत्काल कम से कम 01 सप्ताह के लिए बाजार बंद नहीं की जाती तो स्थिति भयावह हो सकती है। व्यापार मंडल के लोगों ने मांग की है कि मेडिकल स्टोर व फुटकर सब्जी विक्रेता जो ठेलिया में सब्जी बेच सके उनके अलावा दूध ब्रेड को छोड़कर सभी मार्केट पूरी तरह से बंद होनी चाहिए। इस संबंध में उप जिलाधिकारी ने जिला उद्योग व्यापार मंडल के लोगों को आश्वासन दिया कि इस मामले में उच्चाधिकारियों से विचार-विमर्श कर जल्द ही निर्णय लेंगे इस मौके पर जिला उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुशील कुमार गुप्ता उर्फ कल्लू लोहिया के अलावा अली हसन अरुण उत्तम रामजी गुप्ता सीता राम कपाड़िया अज्जू गुप्ता सोनू सैनी अंकित गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे। बताते चलें कि 1 दिन पहले उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कंछल गुट की नगर इकाई द्वारा भी उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर 1 सप्ताह के लिए बाजार बंदी किए जाने की मांग की गई थी ताकि कोरोनावायरस संक्रमण में रोकथाम की जा सके।

690 पौवा अवैध देसी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

खागा, फतेहपुर । किशनपुर थाना क्षेत्र रामपुर नहर पुलिया के पास बुधवार रात करीब 10रू00 बजे गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर किशनपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को 690 देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि बीते बुधवार की देर रात करीब 10 बजे गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर किशनपुर पुलिस ने कस्बा निवासी विक्रम सोनकर पुत्र पुरुषोत्तम को 690 पौवा अवैध देसी शराब के साथ रामपुर मोड़ नहर पुलिया के पास से थानाध्यक्ष पंधारी सरोज के नेतृत्व में विजयीपुर चौकी प्रभारी बृजेश सिंह कस्बा इंचार्ज बलबीर सिंह हमराही राजू सिंह अमित दुबे रामनारायण दुबे सुरेश यादव के साथ घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है और आरोपी के कब्जे से 690 पौवा देसी शराब बरामद की। इसके बाद सूचना पर पहुंची आबकारी टीम ने शराब का सैंपल लिया जिसमें शराब पूर्णतया अवैध एवं 48 डिग्री पाई गई।

बारह पर शांति भंग की कार्रवाई

फतेहपुर । जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत पुलिस ने लगभग एक दर्जन लोगों के विरूद्ध 151 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बिन्दकी कोतवाली दो, औंग एक, ललौली तीन, गाजीपुर एक, हथगाम एक, थरियांव दो, मलवां एक तथा जाफरगंज थानाध्यक्ष ने एक पर शांति भंग के तहत कार्रवाई की है।

तमंचा-कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के दिशा-निर्देशन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत किशनपुर पुलिस ने गश्त के दौरान किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से खड़े युवक को अवैध असलहा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाने के विजयीपुर चौकी प्रभारी बृजेश कुमार सिंह आज सुबह अपने हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त रखने के उद्देश्य से गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर राम सजीवन रैदास पुत्र दंगल निवासी पलवाहार को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा व एक जिन्दा कारतूस बरामद करते हुए उसके विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

फतेहपुर । अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत शुक्रवार की सुबह गश्त के दौरान दो थानों की पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। जानकारी के अनुसार किशनपुर थाना प्रभारी पंधारी सरोज आज सुबह अपने हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर विक्रम सोनकर पुत्र पुरूषोत्तम सोनकर निवासी कस्बा किशनपुर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 690 पौवा देशी शराब बरामद किया है। इसी प्रकार जाफरगंज थाने के उपनिरीक्षक भगवान बक्श ने गश्त करते हुए सर्वेश कुमार पुत्र स्व0 राम सहाय निवासी परसदेपुर मजरे पाण्डेपुर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से दस लीटर कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने गिरफ्त में आये दोनों के विरूद्ध 60 एक्ट आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

सखी मानव समिति ने किया पौधरोपण

खागा, फतेहपुर । सखी मानव सेवा समिति के द्वारा ग्राम पंचायत कस्बा सोहन में वृहद पौधरोपण का कार्यक्रम उप जिलाधिकारी प्रहलाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उप जिलाधिकारी ने सभी ग्रामवासियों को पौधों की महत्ता के बारे में जागरूक किया और सभी को पांच-पांच पौधे ग्राम समाज की जमीन में रोपित करने के लिए आवाहन किया। उन्होंने सखी मानव सेवा समिति के पौध रोपण कार्यक्रम को महत्वपूर्ण एवं सराहनीय बताते हुए पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया। थाना प्रभारी ने पौध संरक्षण कराने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया और पौधरोपण में अपना योगदान सुनिश्चित करवाया। इस अवसर पर संस्था प्रबंधक नमिता सिंह ने पौधरोपण सबकी महती भूमिका निभाने के लिए शपथ दिलाते हुए और संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया।

दस लीटर अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

फतेहपुर । जाफरगंज के अंतर्गत देवरी चौकी इंचार्ज भगवान बक्श सिंह द्वारा मुखबिर की सुचना पर 10 लीटर अवैद्य कच्ची शराब बरामद की गयी। जानकारी के अनुसार कल शाम करीब साढ़े पांच बजे पावर हाउस देवरी के हसनपुर से अभियुक्त सर्वेश कुमार पुत्र स्व0 रामसहाय निवासी को प्रसादपुर मजरे पाण्डेयपुर थाना जाफरगंज को एक प्लास्टिक की पिपिया में करीब दस लीटर कच्ची अवैद्य शराब बरामद की और मौके से अभियुक्त को पकड़कर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया।

बैंक में गिरा मंगलसूत्र गार्ड को मिला

हसवां, फतेहपुर । थरियांव थाना के हस्वा चौकी क्षेत्र के हस्वा कस्बे के बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में किसी महिला का सोने का 05 नग का मंगल सूत्र गिर गया है, जो की हस्वा चौकी के गार्ड राजाराम को पड़ा मिला। गार्ड ने मंगल सूत्र को हस्वा चौकी इंचार्ज दीन दयाल सिंह के सुपुर्द कर दिया है। हस्वा चौकी इंचार्ज का कहना है की जिस किसी भी महिला का मंगलसूत्र है वो अपनी सही पहचान बताकर हस्वा चौकी से प्राप्त कर सकती है।

देवमई ब्लाक क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश

फतेहपुर । बारिश की आस रख रहे किसानो को राहत मिल गई। देवमई विकास खंड के पधारा गाव मे तेज हवा के साथ जमकर बारिश हुई। इस बारिश से किसान खुश हो गये।सुबह से रही उमस भरी गर्मी से लोगो ने राहत की सांस ली।

बसों के बेहतर संचालन पर एआरएम सम्मानित

फतेहपुर । कोरोना काल मे रोडवेज बस के बेहतर संचालन पर एआरएम मख्खनलाल केसरवानी को उनकी सेवा भाव का जज्बा देखते हुए विभाग के सेवा प्रबंधक व क्षेत्रीय प्रबंधक ने संयुक्त रुप से प्रशस्ति पत्र देकर उनके कार्यों की प्रशंसा की है।

ईओ ने किया वृक्षारोपण

हथगाम,फतेहपुर । अधिशासी अधिकारी मोहनी केशरवानी ने नगर पंचायत हथगाम क्षेत्र के देवदास तालाब के पास वृक्षारोपण किया तथा पूर्व में रोपित किये गये वृक्षों की सघनता पूर्वक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के पश्चात रोपित किये गये पौधों की देख रेख कर रहे कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिया कि वृक्षो की सुरक्षा में कोई लापरवाही न की जाये ताकि कोई भी पौधा सूखने न पाये तथा समय समय पर पानी, खाद व दवा आदि का छिड़काव करते रहे।

तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सवार गिरकर घायल

बिन्दकी, फतेहपुर । तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया हालांकि काफी देर चले उपचार के बाद युवक की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस कर ले गए। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जोनिहा के समीप शाहबाजपुर मार्ग में तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक से गिरकर शालू उम्र 25 वर्ष पुत्र गुलाब निवासी बसंती खेड़ा कोतवाली बिंदकी गंभीर रूप से घायल हो गया दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ लग गई गाली युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया हालांकि काफी देर चले उपचार के बाद युवक की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए युवक के पिता गुलाब ने बताया कि वह आवश्यक काम से फतेहपुर गया था वहां से वापस आते समय दुनिया के समीप से बाजपुर रोड में बाइक से गिरकर घायल हो गया जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

पचपन अभ्यर्थियों को मिला रोजगार

फतेहपुर । जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, फतेहपुर द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों हेतु 28 जुलाई को ऑनलाइन रोजगार मेला का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश स्तर की कल्याणी सोलर पावर द्वारा 16, स्कालरशिप इंडिया द्वारा 06, न्यू यूनीकेयर हेल्थ सोलयूशन्स द्वारा 11, मगध एग्रो टेक द्वारा 09, एकयूप्रेसर हेल्थ केयर सोलयूशंस द्वारा 13 प्रवासी एवं निवासी अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट कर चयन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। रोजगार मेला में कुल 799 अभ्यर्थियों का ऑनलाइन साक्षात्कार में माध्यम से 55 अभ्यर्थियों का चयन हुआ जिसमें कुल 37 प्रवासी श्रमिक भी चयनित हुए।

14 दिसम्बर के पूर्व करायें फसलों का बीमा

फतेहपुर । जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत जनपद के 04 विकासखंड देवमई, मलवां, हसवा, असोथर में रबी मौसम में हरी मटर उत्पादन करने वाले कृषकों को फसल के प्रतिकूल मौसमी स्थितियों यथा कम वर्षा, बेमौसम/अधिक वर्षा, पाला कम व अधिक तापमान, आर्द्रता आदि से नष्ट होने की संभावना के आधार पर बीमित किए जाने हेतु पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत निर्धारित अंतिम तिथियों तक कवरेज प्रदान किया जाएगा। जनपद के कृषक रबी फसल में हरी मटर का उत्पादन करते हैं वह 14 दिसंबर के पूर्व बीमा कराते हुए निर्धारित प्रीमियम जमा करना सुनिश्चित करें जिससे फसल को मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत सम्मिलित किया जा सके। जनपद हेतु यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बीमा कंपनी को अधिकृत किया गया है। अधिक जानकारी हेतु बीमा कंपनी के अलावा कार्यालय उपनिदेशक कृषि भवन तथा कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी विकास भवन में संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बाइक को टक्कर मार कार पलटी, महिला की मौत

फतेहपुर । थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम आंबापुर के समीप शुक्रवार की दोपहर बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर अल्टो कार पलट जाने से सवार महिलाओं समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के सचौली गांव निवासी इन्द्रपाल का 30 वर्षीय पुत्र बच्छराज, पूनमती पत्नी इन्द्रपाल 55 वर्ष, इन्द्रपाल पुत्र स्व0 रघुराज 60 वर्ष, रीता पत्नी ननकू 35 वर्ष व प्रियंका पुत्री गोरेलाल 15 वर्ष आज दोपहर लगभग एक बजे अल्टो कार में सवार होकर शहर किसी काम से आ रहे थे। जैसे ही वाहन थाने के आंबापुर-हस्वा के बीच हाईवे पर पहुंचा तभी आगे जा रहे बाइक को टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर कार पलट गयी। जिसमें कार में बैठे सभी लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे हस्वा चौकी इंचार्ज ने तत्काल सरकारी एम्बुलेन्स बुलाकर घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया। जहां इलाज के दौरान पूनमती ने दम तोड़ दिया। जबकि रीता की हालत चिन्ताजनक बनी है। उधर सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रभाव से बंद कराए गए मां काली दरबार के पट

➲ नगर के कई मोहल्लों में बढ़ाई गई बैरिकेडिंग

बिन्दकी, फतेहपुर । कोरोनावायरस संक्रमण के नगर में बढ़ते प्रभाव को देखते हुए तहसील प्रशासन और नगर पालिका परिषद पूरी तरह से सक्रिय हो गया है इसी के चलते नगर के कई मोहल्लों में बैरिकेडिंग कर दी गई है यहां तक कि मां काली दरबार के पट भी बंद कर दिए गए हैं। जिसके चलते भक्तों को दूर से ही मां काली के दरबार में सिर झुका कर आशीर्वाद लेना होगा।

नगर में कोरोनावायरस संगमा का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है जिसको लेकर जहां एक और नगर के लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर तहसील प्रशासन तथा नगर पालिका परिषद लगातार सक्रिय है। कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव के लिए नगर के कई नए स्थानों पर बैरिकेडिंग कर सील कर दिया गया है। शुक्रवार की सुबह नगर के मोहल्ला ठठ राही मैं मां काली जी मंदिर के समीप रास्ते में तीन तरफसे बैरिकेडिंग कर दी गई ताकि आवागमन ना हो सके इतना ही नहीं मां काली जी के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ देखकर प्रशासन और नगर पालिका परिषद ने मां काली जी के दरबार के पट बंद करा दिए हैं, ताकि भक्तों की भेजना हो सके और लोग कोरोना वायरस संक्रमण से बच सकें। वहीं दूसरी ओर नगर के मोहल्ला घियाही गली मैं पहले लगी बैरिकेडिंग के अलावा दूर-दूर तक अन्य कई बैरिकेडिंग कर दी गई है नगर के ही फाटक बाजार में मेन बाजार में कई स्थानों पर बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है। कोरोनावायरस संक्रमण में रोकथाम नहीं हुई तो कल तक कुछ स्थानों पर और भी बैरिकेडिंग बढ़ाए जाने की पूरी संभावना है। नगर में कोरोनावायरस के बढ़ते प्रभाव के कारण लोग स्वयं चाहते हैं की बाजार बंद हो जाए हालांकि अभी भी तमाम लोग कोरोनावायरस जैसे बीमारी को नजरअंदाज कर बेवजह घरों से बाहर निकलते हैं सामाजिक दूरी का पालन नहीं करते तथा कुछ लोग मास्क भी लगाते नहीं है यदि लोगों ने लापरवाही बरती तो समस्या और बढ़ सकती है नगर पालिका परिषद के सफाई स्पेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह तथा बिंदकी लेखपाल भान सिंह ने लोगों से कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव के लिए सामाजिक दूरी का पालन करने तथा मास्क लगाने की अपील किया है।

शोकाकुल परिवारों के घर पहुंची केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति

हर संभव मदद दिलाने का दिया आश्वासन

खागा, फतेहपुर । किशनपुर थाना क्षेत्र के नरौली गांव में हुए बिजली हादसे में पति-पत्नी की मृत्यु हो गयी थी। उनके परिवार से आज जिले की सांसद व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योती नरौली गाँव पहुंच कर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया एवं आनाथ बच्चो को हर प्रकार की मदद करने का अस्वाशन दिया।

वहीं भरखना गांव व खागा अहरिपर में भी बिजली हादसे का शिकार हुए युवको के घर पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया व हर प्रकार की मदद का आश्वासन दिया।

जिले की सांसद व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति गत दिनों खागा विधानसभा क्षेत्र के क्रमशः गांव नरौली गढ़ा व रानीपुर भखन्ना में गत दिनों विद्युत दुर्घटना में हताहत हुए लोगों के पारिवारिक जनों को सांत्वना देने पहुंची। साध्वी के साथ उप जिलाधिकारी खागा प्रहलाद सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत खागा मेघ सिंह रहे। जिन्हें साध्वी ने कड़े व स्पष्ट शब्दों में कहा कि पारिवारिक जनों को मिलने वाला सरकारी लाभ तुरंत मुहैया कराया जाए। नरौली गढ़ा का परिवार बहुत ही गरीब परिवार था। जिसमें दंपतियों की मृत्यु हुई है। साध्वी ने उस परिवार को विद्युत विभाग से हटकर अन्य लाभ जैसे प्रधानमंत्री आवास आदि के लिए भी कहा है तथा खंड विकास अधिकारी विजयीपुर को आगे कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही उनके दोनों बच्चों की पढ़ाई के लिए आश्रम पद्धति में दाखिला दिलवाने की व्यवस्था को भी कहा है। इस कार्यक्रम में साध्वी के प्रथम पीए राजेंद्र निषाद, शिव प्रताप सिंह, योगेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष हिमांशु त्रिपाठी, राकेश सिंह, अजय शुक्ला समेंत आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदर्श नगर पंचायत की गठित निर्णायक कमेटी ने वार्डों का लिया जायजा

खागा, फतेहपुर । नगर में माह जुलाई में 01 तारीख से 31 तारीख तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे विशेष सफाई अभियान के साथ-साथ सफाई प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जिसका आज नगर पंचायत द्वारा गठित की गई 10 सदस्यीय समिति ने नगर के सभी वार्डों में पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। वहीं कुछ मोहल्लों में स्वयं चेयरमैन गीता सिंह व चेयरमैन प्रतिनिधि रामगोपाल सिंह व अधिशासी अधिकारी लालचन्द मौर्य ने खुद पहुंचकर सफाई आदि व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कर वार्ड के लोगों से उनका फीडबैक भी लिया। अधिशासी अधिकारी लालचन्द मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि जो निरीक्षण किया गया है उसमें-नालियों में जल प्रवाह के लिए 10 नम्बर, सड़कों पर चूना छिड़काव के लिए-10 नम्बर, सफाई व्यवस्था के लिए-10 नम्बर, घास की सफाई के लिए 10 नम्बर वार्डों के लोगों से फीडबैक के 10 नम्बर निर्धारित किए गये है। इस प्रकार से कुल 50 नम्बरो की इस प्रतियोगिता में जो वार्ड एवं जिस सफाई नायक के क्षेत्र में सबसे ज्यादा नम्बर समिति द्वारा प्रदान किए जाएंगें उन सभी सफाई नायकों का आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरुस्कृत कर उत्साहवर्धन भी किया जाएगा।

बीएसएनएल टावर में गिरी आकाशीय बिजली सेवाएं धड़ाम

अमौली, फतेहपुर । अमौली भारतीय संचार निगम लिमिटेड के टावर पर आकाशीय बिजली गिरने से उपकरण फुंक गए। जानकारी के अनुसार आज देर शाम बारिश के साथ आकाशीय बिजली की गड़गड़ाहट पर अमौली कस्बे में लगा भारतीय संचार निगम लिमिटेड टावर पर आकाशीय बिजली गिर जाने से उसके उपकरण जलकर खाक हो गए जिससे लोगों के बीएसएनल के सिम पर नेटवर्क गायब हो गया। काफी देर बाद जब लोगों को जानकारी हुई। ऑपरेटर ने बताया कि इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दे दी गई।

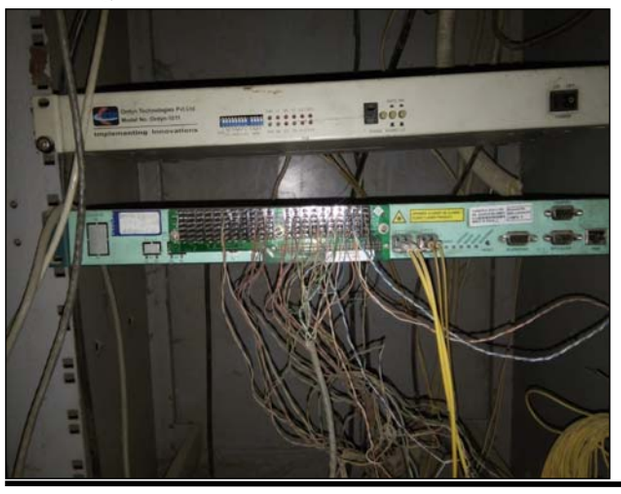

पंजाब से लौट रहे परिवार के साथ हुई टप्पेबाजी

खागा, फतेहपुर । कोतवाली क्षेत्र के खागा नौबस्ता बाईपास चौराहे पर पंजाब से आई बस से सुबह साढ़े नौ बजे उतरे थाना खखरेरू के आलमपुर गेरिया निवासी जयपाल पुत्र रामदास लोधी अपनी पत्नी, पुत्री व लड़के के साथ बाईपास चौराहे पर खड़े थे तभी एक बोलेरो में चार युवक सवार एक युवक ने जयपाल से पूंछा कहां जाना है। जयपाल ने कहा आलमपुर गेरिया, तभी बोलेरो सवार ने कहा हम भी उधर ही जा रहे है आओ बैठ जाओ। जयपाल अपने परिवार के साथ बोलेरो में सवार हो गया और सुजरही की ओर चलने लगा। जयपाल के टोकने पर बोला दो सवारी आगे है। उन्हें भी बैठा ले तभी सुजरही के आगे चलती गाड़ी में चारो युवको ने जयपाल के पास रखे 45 हजार रुपये छीन लिए और आगे उतार कर प्रयागराज जनपद की तरफ भाग गए। पीड़ित ने खागा कोतवाली में इसकी सूचना दिया। खागा कोतवाल ने कटोघन टोल प्लाजा पर बोलेरो सवारो को पकड़ने के लिए तत्काल मंझिलगांव चौकी समेत अन्य को अलर्ट किया।

युवा विकास समिति ने ग्रामीणों को कोविड-19 के प्रति किया जागरूक

बकेवर, फतेहपुर । युवा विकास समिति के प्रदेश सचिव रामकिशोर शर्मा ने कोरोना वैश्विक महामारी से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को सैनिटाइजर-मांस्क व हांथ धोने के लिए साबुन वितरित किया। देवमई विकास खंड के पधारा गांव में युवा विकास समिति द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क वितरित किए गए। इसके साथ ही सैनिटाइजर व साबुन वितरित की गई। ग्रामीणों को बताया गया कि अपने हाथों को अच्छी तरह के साबुन से धोएं और मास्क जरूर लगाएं। सामाजिक दूरी का पालन करें अनावश्यक बाहर ना निकले। जरूरत पड़ने पर ही कहीं जाए।

प्रदेश सचिव रामकिशोर शर्मा ने बताया कि युवा विकास समिति द्वारा इस वैश्विक महामारी में जनहित के लिए तमाम ऐसे कार्य किए गए हैं जो युवा विकास समिति का उद्देश्य रहा है। दीन, दुखी, पीड़ित, असहाय, निर्बल लोगों को मदद पहुंचा कर उन्हें सहायता देकर समिति अपना कर्तव्य निभा रही है। उन्होंने बताया कि आज गांव के एक सैकड़ा लोगों को मॉस्क, साबुन व सैनिटाइजर वितरित किए जिससे लोगों को कोरोना वायरस से बचाव के उपायों को अपनाकर के बचाया जा सके। वही युवा विकास

बांटे मॉस्क, सेनेटाइजर व साबुन

समिति जिला प्रवक्ता आलोक गौड़ ने कहा कि कोरोना बचाव के लिए अब लोगों को ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत है, बिना जरूरत के बाहर ना निकले। इस मौके पर देवमई ब्लॉक के अध्यक्ष राजीव मिश्रा ने कहा ग्रामीणों की जागरूकता से ही गांव में कोरोना फैलने से बचाया जा सकता है। जब हर व्यक्ति जागरूक होगा, सुरक्षा के उपायों को अपनायेगा तो इस वैश्विक महामारी की जंग से हम जीत हासिल करेंगे।

चुनौतियों के साथ बदलना होगा

कोविड- 19 ने कई चुनौतियां पैदा कर दी हैं। कोविड का प्रभाव किसी एक क्षेत्र मात्र का प्रभाव नहीं है। यह भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था भी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। अर्थव्यवस्था के तमाम क्षेत्र और उन में काम करने वाले लोग बुरे तरीके से प्रभावित हैं। कृषि क्षेत्र, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर तीनों ही एक गहरी मंदी की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं। कोरोना का संकट एक ऐसी चुनौती है जिससे उबरना आसान नहीं है। सच तो यह है कि इस संकट के सामने दुनिया की हर सरकार खुद को विवश पा रही है। महामारी की व्यापकता से आज हमारे सामने तमाम तरह की चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। कैसे हम इन चुनौतियों से निपटें और कैसे हम इन चुनौतियों में सम्भावनाएं तलाशते हुए इन्हें अवसर में बदलें। वहीं सवाल यह भी है कि चुनौतियों के साथ हमें खुद का बदलना होगा। ये बड़े दुर्भाग्य की बात है कि नए कोरोना वायरस की महामारी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर उस वक्त हमला बोला, जब वो अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा था। कोरोना के कारण लगभग हर क्षेत्र में सैकड़ों लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। ऐसे में हमें चुनौतियों के साथ अपने आचार-व्यवहार, काम करने के तरीकों और वर्तमान हालातों के अनुसार अपने लिए उधोग धंधे, रोजगार और व्यापार के साधन ढूंढ़ने होंगे। बाज अगर पर्यटन के क्षेत्र की जाए तो पर्यटन को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में अवसर पैदा करने के लिए हेरिटेज, मेडिकल टूरिज्म जैसे कॉन्सेप्ट पर काम करना होगा। पैदा हुई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए पर्यटन के नए आयाम स्थापित करने होंगे। मणिपुर यूनिवर्सिटी के डॉ. इरेंगबम रूबिता ने कहा कि उत्तर-पूर्वी राज्यों में जैव विविधता के साथ- साथ ईको और एडवेंचर टूरिज्म के लिए काफी संभावनाएं हैं। इस ओर फोकस करने की जरूरत है। वहीं इस चुनौती भरे समय में हमें घरेलू पर्यटन पर ज्यादा फोकस करना होगा। बदले हुए समय में लोंग ग्रुप टूर की बजाय फैमिली टूर पर ज्यादा ध्यान देंगे। ऐसे में पर्यटन के क्षेत्र में गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। होटल इंडस्ट्री को भी अपने स्तर पर काफी बदलाव करने होंगे, तभी उनका व्यवसाय पूर्व की भांति गति पकड़ सकेगा। यही हाल होटल व रेस्टोरेंट के साथ भी है। कोरोना की वैश्विक महामारी आने के बाद लोगों में एक प्रकार से जीवन के प्रति भय और नकारात्मक दृष्टिकोण पैदा हुआ है। ऐसे में पूरे उधोग क्षेत्र को ऐसे उपाय करने होंगे जिससे लोगों के मन से भय निकल सके।

कोरोना संकट के समय हमारी जरूरतों ने उच्च शिक्षा व्यवस्था के मूल ढांचे को फिर से छिन्न- भिन्न कर दिया है। चूंकि अब समाज खुद भी वर्चुअल सोशल स्पेस में बदलने को बाध्य है, ऐसे में, शिक्षा में भी क्लासरूम की अवधारणा वर्चुअल होती जाएगी। हम धीरे-धीरे एक ऐसे समाज में बदलते जाएंगे, जहां सीधा संवाद लगभग खतम हो जाएगा। सब कुछ वर्चुअल, ऑनलाइन एवं डिजिटल टेक्नो संवादों के रूप में ही रह जाएगा। संभव है कि उच्च शिक्षा का यह नया वर्चुअल रूपांतरण हमें बेहतरी की ओर ले जाए। संभव है, यह शिक्षा के परिक्षेत्र को ज्यादा नवाचारी, समाहारी एवं क्षमता विकास की दिशा में आगे बढ़ाए। किंतु भारत जैसे समाज में हमें गरीब, उपेक्षित और दूरस्थ क्षेत्रों में बसे समाजिक समूहों में इंटरनेट रखने, इस्तेमाल करने एवं सतत कनेक्टिविटी बनाए रखने पर जोर देना होगा।कोरोना संकट के समय हमारी जरूरतों ने उच्च शिक्षा व्यवस्था के मूल ढांचे को फिर से छिन्न-भिन्न कर दिया है। चूंकि अब समाज खुद भी वर्चुअल सोशल स्पेस में बदलने को बाध्य है, ऐसे में भी क्लासरूम की अवधारणा वर्चुअल होती जाएगी। हम धीरे-धीरे एक ऐसे समाज में बदलते जाएंगे। जहां सीधा संवाद लगभग खतम हो जाएगा। सब कुछ वर्चुअल, ऑनलाइन एवं डिजिटल टेक्नो संवादों के रूप में ही रह जाएगा। लॉकडाउन में बिजली, पानी, क्रेडिट कार्ड व फोन जैसी सुविधाओं के बिलों का ऑनलाइन भुगतान 73 फीसदी तक बढ़ा है। आने वाले समय में रुपयों के लेन-देने से भी बचना जरूरी होगा। इसके लिए मोबाइल से पेमेंट करने की आदत डालनी होगी। डिजिटल पेमेंट में 43 फीसदी के साथ यूपीआई सबसे आगे रहा। इसी के चलते आने वाले समय में अब साइबर सुरक्षा पर फोकस रहेगा। आने वाले दिनों में वर्क कल्चर बड़ी तेजी से बदलेगा। कई कंपनियों में वर्क फ्रॉम होम का प्रचलन बढ़ेगा। इससे महिलाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे। आंकड़े बता रहे हैं कि महिलाओं के लिए जॉब सर्च पोर्टल जॉब्सफॉरहर पर घर से काम वाली नौकरियों की संख्या पिछले एक महीने में बीते साल की इसी अवधि के मुकाबले 30 फीसदी तक बढ़ गई है। आने वाले समय में सामाजिक, राजनीतिक और अन्य कार्यक्रमों में पहले जैसी भीड़भाड़ आपको देखने को शायद ही मिले। शादी ब्याह के समारोह भी शालीनता और कम भीड़भाड़ के साथ आयोजित होंगे। लगभग जीवन के हर क्षेत्र में असर देखने को मिलेगा और हमें इन तमाम बदलावों के अपने जीवन में अपनी व दूसरों की सुरक्षा व सेहत की खातिर अपनाना पड़ेगा। आने वाले समय में इंटरनेट का महत्व पहले की अपेक्षा बढ़ जाएगा। उसका सही उपयोग करना सिखेंगे। अब व्यापार जगत, आईटी सेक्टर, अन्य कंपनियां ही नहीं आम व्यक्ति की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन कार्य को महत्व देना ही होगा। ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट फ्रेंडली बनेंगे। यह एक ऐसा संकट है जिसने चिकित्सा विज्ञानिकों के साथ ही अन्य वैज्ञानिकों के समक्ष भी चुनौती खड़ी कर दी है। इससे विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हमें बदलाव देखने को मिलेंगे। जैसे अब पहले कि अपेक्षा अच्छी और आधुनिक चिकित्सा सुविधा और सुरक्षा के बारे में सोचा जाएगा। सैनिकों और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए भी अब नए तरीके से सोचने का मौका मिलेगा। हर क्षेत्र में रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। महामारी बन चुके कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मचा दी है। हाल ये है कि ग्लोबल स्तर पर प्रिंट मीडिया भी इसके खौफ से अछूता नहीं रहा है। कोरोना वायरस के खौफ को देखते हुए कई ग्लोबल मैगजींस और अखबार पूरी तरह डिजिटल की ओर रुख कर रहे हैं, वहीं भारतीय अखबार इस चुनौती का मुस्तैदी से मुकाबला कर रहे हैं और रोजाना अपने पाठकों के घर तक अखबार पहुंचा रहे हैं। टीवी से लेकर लोक कलाकारों ने काम न मिलने की वजह से अपने यू-टयूब चैनल बनाए हैं। अर्थात चुनौतियों और संकटों के साथ उन्होंने अपने को बदला है। जिसका लाभ भी उन्हें मिल रहा है। कोरोना ने जो मौका दिया वह दुखद है, त्रासदी है। लेकिन, इसी में हमें अवसर खोजना है। बस हमें सामाजिक नहीं शारीरिक दूरी का ख्याल जरूर रखना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में कहा कि हर मुश्किल हालात, हर लड़ाई, कुछ-न-कुछ सबक देती है, कुछ-न कुछ सिखा करके जाती है, सीख देती है। सब देशवासियों ने जो संकल्प शक्ति दिखाई है, उससे, भारत में एक नए बदलाव की शुरुआत भी हुई है। हमारे बिजनेस, हमारे दफ्तर, हमारे शिक्षण संस्थान, हमारे मेडिकल सेक्टर, हर कोई तेजी से नए तकनीकी बदलावों की तरफ बढ़ रहे हैं। मौजूदा संकट के कारण, अपने घरेलू अनुभव और नीतिगत खामियों से जो भी सबक सीख रहे हैं, उनके आधार पर ही भारत को अपने वैश्विक संवाद की दशा दिशा तय करनी चाहिए। इस महामारी ने अधिकतर विकासशील देशों के सामने प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। छुपी हुई चुनौतियों को सामने लाकर खड़ा कर दिया है। इन चुनौतियों का सामना करते हुए, भारत के सामने ये अवसर है कि वो बिल्कुल अलग तरह की विश्व शक्ति के तौर पर उभरने का प्रयास करे। और देशवासी चुनौतियों के साथ खुद को बदले और तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें। कोविड समस्या नही बल्कि अवसर है। हमें अब कोरोना वायरस के साथ जीना सीखना होगा अपने जीवन की दैनिक दिनचर्या मे बदलाव करना होगा।

सम्पादकीय

राफेल से बढ़ेगी सैन्य ताकत

काफी समय से भारत को ऐसे विमान की जरूरत थी. वायुशक्ति के तकनीकी सुधार या आधुनिकीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी. हालांकि, कई अड़चनों के बावजूद राफेल का चुनाव कर लिया गया था. पिछली सरकार निर्णय लेने के मामले में असमर्थ थी. किसी न किसी बहाने से उसने इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाया. लेकिन, हमारे इलाके में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे थे. एक उदाहरण हमने पिछले साल देखा, जब हमने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी. उसके अगले दिन पाकिस्तान ने हमारे ऊपर हमला किया. उस वक्त महसूस किया गया कि जो साजो-सामान दुश्मनों के पास था, वह हमारे पास नहीं है. हालांकि, राफेल डील उससे पहले हो चुकी थी, लेकिन यह बाजार में जाकर सौदा खरीदने जैसी प्रक्रिया नहीं है. इसमें वक्त लगता है. अभी पांच जहाज आये हैं और 31 आने बाकी हैं. इससे कुछ हद तक गैप को भरने में हम कामयाब हो जायेंगे. शुरुआत में सवा सौ जहाजों की योजना थी. अभी सिर्फ 36 ही आ रहे हैं, हो सकता है कि आगे भी कुछ और जहाज लिये जायें. हम ढोल बजा रहे हैं, जैसे हमने दुनिया का फतह कर लिया. हमें थोड़ा संयम रखना चाहिए. हर लिहाज से आधुनिक इस जहाज पर खर्च थोड़ा ज्यादा हुआ है. जब किसी बात पर विवाद होता है, तो उसके पीछे कई कारण होते हैं. पर्याप्त जानकारी के अभाव में एक नजरिया बना लेना ठीक नहीं है. भारत ने जिन जहाजों को लिया है, उसमें कई सारी आधुनिक खूबियों को शामिल किया गया, जो आमतौर पर नहीं होती हैं. केवल जहाज उड़ाना ही काफी नहीं होता है, उसकी मारक क्षमता भी होनी चाहिए. दुश्मन देश की ताकत के मद्देनजर आपको अन्य जरूरतों का भी ध्यान रखना होता है. पिछले वर्ष पाकिस्तानियों के साथ जो झड़प हुई, हमने देखा कि उनके पास बियॉन्ड विजुअल रेंज (बीवीआर) जैसी खूबियां थीं, जो हमारे जहाजों में नहीं थीं. इससे हम थोड़े रक्षात्मक थे. राफेल ऐसे सभी गैप को पूरा करता है. जब जहाजों का काफी करीबी से मुकाबला होता है, तो बियॉन्ड विजुअल रेंज यानी जब आप 100 किलोमीटर की दूरी से राडार पर जहाज को पकड़ लेते हैं और उसे टारगेट कर देते हैं. दूसरी स्थिति में आप देखने के बाद अटैक करते हैं, उसे डॉग-फाइट कहते हैं. उसमें भी आपको आधुनिक मिसाइल की जरूरत होती है. यह जहाज में लैस है. बालाकोट हमले वाले जहाज का एक एडवांस्ड वर्जन हैमर मिसाइल के तहत आया है. वह महंगा तो पड़ेगा. पैसा बचाने के लिए हम जुगाड़ वाला सिस्टम करते हैं. जहाज कहीं और से ले लिया, राडार और उसके एवियानिक्स कहीं और से लिया. मिसाइल सिस्टम कहीं तीसरी जगह से ले लिये. इससे इंटीग्रेशन में समय लगता है. इस बार सरकार ने संवेदनशीलता बरती है. चीन के साथ संबंध खराब हो रहे थे. दो मोर्चों पर संघर्ष की बात हो रही थी. इससे महसूस किया गया कि हमारे पास समय नहीं है कि जहाज पर इस्राइली मिसाइल लगायें. बेहतर होगा कि हम फ्रांस से मिसाइल सिस्टम खरीद लें. सबसे महत्वपूर्ण है कि यह न्यूक्लियर कैपेबल जहाज है. इसमें न्यूक्लियर बम के इस्तेमाल की क्षमता है. अगर आपको ऐसी जरूरत को पूरा करने में 15-20 वर्ष लग जाते हैं, तो यह बड़ी समस्या है. क्योंकि, हमारे यहां राजनीति और पूरी प्रक्रिया काफी पेचीदा है. इतना समय लगना फिक्र की बात है. हम सैन्य तकनीकी सुधार के मामले में काफी पीछे चल रहे हैं. सीमा पर दो दुश्मन और जिस तरह से तनावपूर्ण हालात हैं, हमें अपनी क्षमता बढ़ाने की जरूरत है. अगर वह आप नहीं करते, तो आप सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. चीन के साथ हालात बिगड़ने के बाद आकस्मिक सैन्य खरीद शुरू हो गयी. रक्षा के मामले ऐसे नहीं चलते. हर बजट में इसका जिक्र जरूर किया जाता है कि हमने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इतना पैसा आवंटित किया है और जरूरत पड़ी, तो और व्यवस्था की जायेगी. यह इस मानसिकता को दर्शाता है कि काम चला लो, बाकी जरूरत पड़ी तो फिर कुछ कर लेंगे. यह कोई किराने की दुकान नहीं है. हमें गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि हमें राष्ट्रीय सुरक्षा को कैसे चलाना है. दुनिया में ऐसी कोई फौज नहीं है, जिसे जो चाहिए, वह मुहैया करा दिया जाये. हमें यह भी देखना है कि कम खर्च में सुरक्षा के लिए कैसे बेहतर उपाय कर सकते हैं. राफेल के साथ हमें अन्य आधुनिक जहाजों की जरूरत है. हमें अपने डेवलपमेंट को आगे बढ़ाना है, जैसे तेजस आदि जहाज, जो दुनिया के सबसे बेहतरीन तो नहीं हैं, लेकिन खराब जहाज भी नहीं हैं. उसकी क्षमता और भी बढ़ाने की जरूरत है. हालांकि, सरकार इस दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रही है. समय के साथ आवश्यकताएं बढ़ रही हैं।

चलो-चलो यारों रिंग थियेटर दिखाएं तुमको

काकोरी कांड की इस छोटी सी दिखने वाली घटना नें तत्कालीन ब्रिटिश सरकार की नींव हिला कर रख दी थी।काकोरी षड्यंत्र को राष्ट्रीय आंदोलन का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना गया। क्रांति दल संगठन के पास धन की कमी होने के कारण कोई ठोस कार्यक्रम नहीं हो पा रहा था , कुछ सदस्य यहां जबरदस्ती रुपया वसूल करने की सोच रहे थे ,तो कुछ इसके विरुद्ध थे कि ये एक प्रकार की डकैती होगी। 7 मार्च , सन 1925 में बिचपुरी तथा 24 मई 1925 को द्वारका पुर में डकैती डाली गई लेकिन विशेष धन प्राप्त नहीं हो सका। पूर्व निश्चित रईसों के घर डकैती डाली थी, आजाद जी छत पर से गोली चलाते रहे जिसमें एक किसान की गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। इस खबर से सबको आत्मग्लानि सी महसूस हुई थी, फिर तय हुआ कि अब देहात में एक्शन बंद कर दिए जाए। जब गांव की डकैती बंद हो गई तो प्रश्न यह था कि किसी बैंक को लूटा जाए या रेल खजाने को। अशफाक उल्ला जी ने इस कदम का कड़ा विरोध किया , यह कहकर कि पार्टी सरकार को चुनौती तो जरूर दे देगी लेकिन पार्टी का भी अंत प्रारंभ हो जाएगा। धन इकट्ठा करने के लिए और कोई चारा नहीं था। इसलिए ट्रेन डकैती की योजना बनाई गई। डकैती में जर्मनी में बने चार-चार माउजर, पिस्तौल काम में लाए गए थे। इन पिस्तौलों में बट के पीछे लकड़ी का कुंदा लगाकर राइफल्स की तरह प्रयोग करते थे। हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के केवल 10 सदस्यों ने इस पूरी घटना को अंजाम दिया था , जो विभिन्न केंद्रों से आकर इकट्ठे हुए थे । इसमें ज्यादातर लोग लखनऊ के छेदीलाल धर्मशाला में ठहरे थे। वे लोग एक टोली में नहीं बल्कि अलग-अलग अपरिचित व्यक्तियों के रूप में ठहरे थे। 8 अगस्त ,1925 को लखनऊ से पश्चिम की ओर रवाना हुए किन्तु अगले स्टेशन के सिग्नल के नजदीक भी नहीं पहुंचे थे कि 8 डाउन सवारी गाड़ी उनके सामने से निकली जा रही थी , उस दिन कोई एक्शन नहीं कर सके। अगले दिन 9 अगस्त ,1925 को दूसरी योजना पर काम किया गया। सब दोपहर के समय लखनऊ से पश्चिम की ओर जाने वाली गाड़ी पर सवार हुए और काकोरी स्टेशन पर उतर गए। अशफाक उल्ला खां , राजेंद्र लाहिड़ी और सचिंद्र नाथ बक्शी ने सेकंड क्लास के टिकट लिए और सेकंड क्लास में बैठ गए। बाकी सब लोग ट्रेन में आगे बढ़कर साधारण क्लास में बैठ गए। जो लोग सेकंड क्लास के डिब्बे में सवार हुए थे, उन पर काम सौंपा गया कि वह जंजीर खींचकर गाड़ी खड़ी करें । फिर दूसरे साथी गार्ड को पकड़ लेंगे और कुछ साथी खजाने को कब्जे में ले लेंगे । सेकंड क्लास के डिब्बे में बैठे साथियों ने जंजीर खींच ली और गाड़ी रुक गई , जैसे ही गाड़ी खड़ी हुई सब साथी गाड़ी से उतर पड़े और फौरन गार्ड को पेट के बल लिटा दिया और यात्रियों से बोला हमारी आप से कोई दुश्मनी नहीं है। आप लोग अपने-अपने स्थान पर बैठे रहें। संदूक में प्रत्येक स्टेशन से जो खजाना इकट्ठा होता हुआ आया था ,उसे धकेल कर नीचे गिरा दिया गया। इस संदूक को तोड़ने के लिए एक बड़ा हथौड़ा और छेनी पहले से ही तैयार की गई थी। कई लोग इस संदूक को तोड़ने में लग गए लेकिन संदूक टूट नहीं रहा था, तो अशफाक जी ने अपना माउजर मन्मथ नाथ गुप्त जी को पकड़ा दिया और खुद तोड़ने में लग गए, उन्होंने इस प्रकार हथौड़े की चोटें मारी कि शीघ्र ही संदूक टूट गया और उसमें से 8000रु- रुपये निकले , जो इस समय के लाखों के बराबर था। और फिर मन्मथ नाथ गुप्त जी से उत्सुकता वश ट्रिगर दब गया और उससे छूटी गोली अहमद अली नाम के एक यात्री को लग गई ,जिससे वहीं पर उनकी मृत्यु हो गई। वहां से भागने पर एक चादर वहां छूट गई ,अगले दिन समाचार पत्रों के माध्यम से यह समाचार पूरे विश्व में फैल गया।

ब्रिटिश सरकार ने इस डकैती को बड़ी गंभीरता से लिया। खुफिया तसद्दुक हुसैन ने ब्रिटिश सरकार को बताया कि यह सुनियोजित षड्यंत्र है। जो चादर घटनास्थल पर छूट गई थी , उसमें धोबी के निशान से इस बात का पता चल गया कि चादर शाहजहांपुर के किसी व्यक्ति की है। धोबियों से पूछने पर पता चला कि चादर बनारसी लाल की है। उससे सारा भेद पुलिस ने ले लिया ।इस ऐतिहासिक मामले में 40 व्यक्ति को अपराधी ठहराया गया था। काकोरी कांड में वास्तविक तौर पर 10 लोग ही थे। उसने राम प्रसाद बिस्मिल और रोशन सिंह जी को 9 दिसंबर,1927 और राजेंद्र लाहिड़ी को 17 दिसंबर,1927 को फांसी दी गई। श्री रामकृष्ण खत्री जी, गोविंद चरण कर, योगेश चटर्जी , मुकुंदी लाल तथा राजकुमार को 10 -10 साल की सजा सुनाई गई , बाद में मुख्य न्यायालय में याचिका दायर करने के बावजूद गोविंद चरण कर , योगेश चटर्जी और मुकुंदी लाल को 10 वर्ष से बढ़ाकर उम्रकैद कर दी । प्रेम कृष्ण खन्ना , राम दुलारे त्रिवेदी , भूपेंद्र सान्याल को 5 - 5 साल की सजा सुनाई गई। कुछ लोग फरार थे, जैसे चंद्र शेखर आजाद, अशफाक उल्ला खां, सचिंद्र नाथ बख्शी और कुंदन लाल। फरार क्रांतिकारियों में असफाक उल्ला खां को दिल्ली और सचिन्द्र नाथ बक्शी को भागलपुर से, उस समय अवरुद्ध किया, जब काकोरी काण्ड के प्रकरण का फैसला सुनाया जा चूका था। विशेष न्यायाधीश जे.आर.डब्ल्यू. बैनट की न्यायलय में काकोरी षड्यंत्र का प्रकरण दर्ज हुआ और 13 जुलाई,1927 को इन दोनों पर सरकार के विरुद्ध साजिश रचने का संगीन आरोप लगाते हुए असफाक उल्ला खां को फांसी और शचीन्द्र नाथ बक्शी को आजन्म काला पानी की सजा हुई। मुकदमे के दौरान असफाक उल्ला खां जी ने एक शेर कहा था ,चलो-चलो यारों रिंग थियेटर दिखाएं तुमको। वहाँ पर लिबरल ,जो चंद टुकड़ों पर सीमोजर का नया तमाशा दिखा रहे हैं। दरअसल यह शेर मुख्य केस के सरकारी वकील पंडित जगत नारायण मुल्ला पर सुनाया गया था। अमर शहीद असफाक उल्ला खां और अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल अभिन्न मित्र व साथी थे। दोनों को एक ही दिन और एक ही समय किन्तु अलग-अलग जेलों में , बिस्मिल जी को गोरखपुर जिला जेल में तथा असफाक उल्ला खां जी को फैजाबाद जिला जेल में फांसी पर लटकाया गया अपने देश भारत वर्ष में आदिकाल से समय-समय पर महान विभूतियां जन्म लेती रही हैं, और अपनी आभा बिखेर कर हमारा मार्गदर्शन कराते हुए आकाश में विलीन हो गई । इस तरह से इन क्रांतिकारियों की त्याग और बलिदान हम भारत वासियों को आज भी प्रेरणा स्वरूप संस्मरण दिलाता रहता है।

नयी शिक्षा नीति-कुछ सवाल

केंद्र सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नयी शिक्षा नीति तैयार की है। साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम फिर से बदलकर शिक्षा मंत्रालय किया गया है। 1985 से पहले शिक्षा मंत्रालय ही हुआ करता था, लेकिन राजीव गांधी के शासनकाल में इसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय बना दिया गया, जिसमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, श्रम आदि मानव विकास के कई पहलू समाहित थे। बाद में आई सरकारों ने धीरे-धीरे इस मंत्रालय के ही कुछ विभागों को कम करते हुए उनके अलग मंत्रालय बना दिए। इस तरह मानव संसाधन नाम का ही रह गया और शिक्षा ही इस मंत्रालय का मुख्य कार्य बना रहा तो इस लिहाज से इसे शिक्षा मंत्रालय नाम देना सही फैसला है। 1985 में ही शिक्षा नीति भी तैयार हुई थी, जिसमें 1992 में कुछ फेरबदल किए गए थे, उसके बाद मामूली घट-बढ़ होती रही, लेकिन शिक्षा नीति में बड़े पैमाने पर कोई बदलाव नहीं हुआ। अब तीन दशकों बाद देश को नयी शिक्षा नीति मिली है। इन बरसों में दुनिया जिस तेजी से बदली है, उसमें हम अपनी पुरानी नीति के अनुसार बच्चों को शिक्षित करते रहें, यह व्यावहारिक तौर पर ठीक नहीं है। इसलिए बदलाव जरूरी था, देखने वाली बात ये है कि जो बदलाव किए गए, उनसे बच्चों को भविष्य के लिए कितना तैयार किया जा रहा है और शिक्षा का उद्देश्य कितना पूरा हो रहा है। शिक्षा

नीति में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कई बड़े बदलाव किए गए हैं। अब स्कूल के पहले पांच साल में प्री-प्राइमरी स्कूल के तीन साल और कक्षा एक और कक्षा 2 सहित फाउंडेशन स्टेज शामिल होंगे। इन पांच सालों की पढ़ाई के लिए एक नया पाठ्यक्रम तैयार होगा। इंसान के भावी जीवन के लिए ये पांच साल नींव का काम करते हैं। इसलिए इसे मजबूत बनाने की कोशिश नये पाठ्यक्रम में होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति में छठी कक्षा से ही बच्चे को प्रोफेशनल और स्किल की शिक्षा दी जाएगी। स्थानीय स्तर पर इंटर्नशिप भी कराई जाएगी। कक्षा 9 से 12वीं तक के 4 सालों में छात्रों को विषय चुनने की आजादी रहेगी। खास बात यह कि साइंस या गणित के साथ फैशन डिजाइनिंग भी पढ़ने की आजादी होगी। बोर्ड परीक्षा का तनाव कम करने पर सरकार ने विचार किया है और इनमें मुख्य जोर ज्ञान के परीक्षण पर होगा ताकि छात्रों में रटने की प्रवृत्ति खत्म हो। एक अहम फैसला ये लिया गया है कि पांचवीं तक और जहां तक संभव हो सके आठवीं तक मातृभाषा में ही शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

कालेज में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट (बहु स्तरीय प्रवेश एवं निकासी) व्यवस्था लागू होगी। यानी पढ़ाई बीच में किसी कारण से छूट भी जाती है तो सर्टिफिकेट या डिप्लोमा मिल ही जाएगा। शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सभी तरह के वैज्ञानिक एवं सामाजिक अनुसंधानों को नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बनाकर नियंत्रित किया जाएगा। नई शिक्षा नीति में एक खास बात ये है कि भाजपा ने अपने रुख को बदलते हुए विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए देश के दरवाजा खोल दिए हैं। दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अब देश में अपने कैम्पस खोल सकेंगे। यूपीए-2 सरकार में विदेशी शिक्षण संस्थानों पर रेगुलेशन ऑफएंट्री एंड ऑपरेशन बिल 2010 लाया गया था, तब भाजपा ने इसका विरोध किया किया था, लेकिन अब केंद्र सरकार इसके लिए तैयार दिख रही है। इसके पीछे तर्क है कि हर साल सैकड़ों विद्यार्थी हजारों डालर खर्च कर विदेश जाते हैं, लेकिन विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत आने से प्रतिभा पलायन भी रुकेगा और धन भी बाहर नहीं जाएगा। मोदी सरकार एक अरसे से देश की शिक्षा प्रणाली को बदलना चाहती थी। उसकी इस कोशिश के पीछे संघ की सोच काम कर रही थी और ऐसा लगता था कि नयी नीति में यही सोच हावी दिखेगी। इसकी ड्राफ्टिंग की प्रक्रिया में आरएसएस से जुड़े कई लोग भी शामिल थे, लेकिन शिक्षा नीति देखकर यही समझ आता है कि सरकार ने राजनैतिक मध्यममार्ग अपनाया है। लेकिन अभी कई सवाल हैं, जिनके बारे में नयी शिक्षा नीति मौन है। जैसे उच्च शिक्षा के लिए एक सिंगल रेगुलेटर उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) का गठन किया जाएगा, लेकिन इसमें लॉ और मेडिकल शिक्षा शामिल नहीं होंगे। ऐसा क्यों किया गया, इसके बारे में सरकार को विस्तार से बताना चाहिए। क्या मेडिकल, इंजीनियरिंग, लॉ आदि के लिए कोचिंग सेंटर्स का जो गहरा जाल सशक्त शिक्षा माफिया ने बुन रखा है, क्या उस जाल को यह सिंगल रेगुलेटर काटने में सक्षम होगा। कोटा, बंगलुरु, पुणे जैसे एजुकेशन हब बन गए शहरों का भविष्य इस नयी शिक्षा नीति में किस तरह का है। बच्चों को मातृभाषा में पढ़ाना सही विचार है, लेकिन क्या इसकी कीमत उन्हें अंग्रेजी के ज्ञान से वंचित रहकर चुकानी पड़ेगी, और क्या इससे निजी और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच की खाई और नहीं बढ़ेगी, क्या इससे भविष्य में अच्छा रोजगार पाने की संभावनाओं पर असर नहीं पड़ेगा। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बनाने से क्या रिसर्च लायक माहौल भी बन जाएगा। क्योंकि बीते कई सालों में वैज्ञानिक नजरिए का घोर अभाव देश में देखा गया, युवा पीढ़ी को भी दिगभ्रमित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई, इसे कैसे सुधारा जाएगा। शिक्षा का निजीकरण सरकार कैसे रोकेगी, प्राइवेट स्कूल फीस न बढ़ाएं, केवल यहां आकर सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती बल्कि सरकार की जिम्मेदारी तो हरेक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के एक जैसी अच्छी शिक्षा व्यवस्था देना है। लेकिन सरकारी स्कूलों और सैवन स्टार निजी स्कूलों में अंतरिक्ष और पाताल जैसा अंतर है। इस खाई को कैसे पाटा जाएगा? नई शिक्षा नीति में 2030 तक हर जिले में या उसके पास कम से कम एक बड़ा मल्टी सब्जेक्ट हाई इंस्टिट्यूशन बनाना, 2040 तक सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को मल्टी सब्जेक्ट इंस्टिट्यूशन बनाना और 2050 तक स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कम से कम 50 फीसदी शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने जैसी लंबी दूरी की बातें सोची गई हैं। लेकिन शिक्षा नीति कोई मिसाइल तो है नहीं जो एक बार में लंबी दूरी पर सटीक निशाना लगा ले। आज से 20-30 साल बाद क्या होगा, यह बताने से पहले सरकार को आज के हालात में बच्चों के लिए बेहतर क्या हो सकता है, इस पर विचार करना चाहिए। क्योंकि 2020 में तो आलम ये है कि स्वास्थ्य मुसीबत के कारण हो रही आनलाइन शिक्षा और परीक्षा में हजारों विद्यार्थियों को पढ़ाई से वंचित होने का डर सता रहा है। सरकार इन बच्चों का वर्तमान सुधारेगी तो भविष्य सुधरने में देर नहीं लगेगी।

आधी लड़ाई तो नीलामी में ही जीत लेते हैं

मुंबई इंडियंस की सफलता का राज बताया आकाश चोपड़ा ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। आइपीएल के 12 सीजन और इनमें चार खिताब ये कहानी है मुंबई इंडियंस की जो इस वक्त दुनिया के सबसे बड़े टी20 लीग की सबसे सफल टीम है। रोहित शर्मा के कप्तान बनने के बाद इस टीम की कहानी ही बदल गई और ये टीम सबसे कामयाब टीम के रूप में सामने आई। आखिर मुंबई इंडियंस की इस सफलता का राज क्या है, इसके बारे में टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा ने कहा है कि खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान मुंबई की टीम जो रणनीति अपनाती है उसी से उन्हें कामयाबी मिलती है। उन्होंने कहा कि मुंबई की टीम युवा खिलाड़ियों पर भरोसा करते हुए उनमें निवेश करती है जो तारीफ के काबिल है। उन्हें लगता है कि इन खिलाड़ियों ने मुंबई की टीम को काफी फायदा पहुंचाया है। आकाश ने मुंबई की कामयाबी के बारे में भी अपने यूट्यूब चैनल पर बात की। आकाश चोपड़ा ने कहा किसी भी टीम के खिलाफ मुंबई इंडियंस शानदार रणनीति बनाती है। इसकी वजह से ही वो आधी लड़ाई तो नीलामी में ही जीत लेते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी रणनीति कमाल की होती है। वो अकेली ऐसी टीम है जो आधी जंग तो आइपीएल टेबल पर ही जीत लेती है। मुंबई के पास हर खिलाड़ी के लिए बैकअप है। आकाश ने कहा कि जब आपके पास अच्छे खिलाड़ियों की एक फौज होती है तो उस स्थिति में अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए या फिर उसकी फॉर्म अच्छी ना हो तो ज्यादा कठिनाई नहीं होती क्योंकि आपके पास बैकअप है। वो अपनी टीम में अच्छे खिलाड़ियों के चयन की नीति अपनाते हैं और ये उनकी कामयाबी का सबसे बड़ा राज है। उन्होंने ये भी कहा कि वो युवा खिलाड़ियों पर भी भरोसा जताते हैं जो बाद में बड़े खिलाड़ी बनकर सामने आते हैं। जसप्रीत बुमराह इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं।

विराट कोहली के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में केस दर्ज

ऑनलाइन जुआ को बढ़ावा देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। विराट पर ऑनलाइन गैंबलिंग यानी ऑनलाइन जुआ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है और उन्हें गिरफ्तार करने की भी मांग की गई है। विराट कोहली के अलावा एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के खिलाफ भी यही आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराई गई है। चेन्नई के एक वकील द्वारा दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने एमएचसी से ऑनलाइन जुआ खेलने पर प्रतिबंध लगाने के लिए निर्देश देने की मांग की है, जिसमें कहा गया है कि युवा इसके आदी हो रहे हैं। याचिका में आगे कहा गया है कि ऑनलाइन जुआ कंपनियां विराट कोहली और तमन्ना जैसे सितारों का इस्तेमाल युवाओं का ब्रेनवॉश करने के लिए कर रही हैं और इसलिए, दोनों को इसके लिए गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने एक ऐसे नौजवान के मामले का भी जिक्र किया, जिसने आत्महत्या कर ली थी क्योंकि वह ऑनलाइन जुए के लिए लिए गए पैसे वापस नहीं कर सकता था। आपको बता दें कि इन दिनों ऑनलाइन मैच खेले जाते हैं और इनका प्रमोशन क्रिकेट स्टार भी करते नजर आते हैं। विराट भी ऑनलाइन गेम्स को प्रमोट करते हैं। इन दिनों विराट कोहली भी अन्य भारतीय क्रिकेटरों की तरह अपने घर में ही हैं और आइपीएल के 13वें सीजन की डेट आने के बाद उसकी तैयारी कर रहे हैं। आइपीएल 2020 की शुरुआत इस साल यूएई में 19 सितंबर से होगी और इसका फाइनल 8 नवंबर को खेला जा सकता है। हालांकि फाइनल को लेकर ये कहा जा रहा है कि इसे 10 नवंबर को आयोजित कराया जा सकता है। यूएई में आइपीएल खत्म हो जाने के बाद भारतीय टीम वहीं से सीधे ऑस्ट्रेलिया दौरे से लिए रवाना हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया को चार मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है और उसके बाद दोनों देशों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

गौतम गंभीर की कप्तानी के कायल हैं इरफान, बोले भारत के लिए ज्यादा मैचों में करनी थी कैप्टेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर अपने दिनों में टीम के लिए एक बड़े मैच विजेता थे। उन्होंने विश्व कप फाइनल (टी20 विश्व कप 2007 और वनडे विश्व कप 2011) में दो शानदार पारियां खेलीं, जिसमें भारत ने ट्रॉफी जीती। हालांकि, बहुत कम लोग इस बात को जानते हैं कि गंभीर ने कुछ समय के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व भी किया है। गौतम गंभीर ने 6 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की। इन 6 वनडे मैचों में भारत ने सभी को जीता था, जिसकी वजह से पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान को लगता है कि उनको लंबे समय तक भारत का नेतृत्व करना चाहिए था। गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारत ने न्यूजीलैंड को वर्ल्ड कप 2011 से पहले भारत में ही 5-0 से व्हाइटवॉश किया था। उस समय टीम के नियमित कप्तान एमएस धौनी, वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर को आराम दिया गया था। इसके अलावा उनकी कप्तानी का कौशल इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में भी देखने को मिला, जब उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 2012 और 2014 में दो खिताब जिताए। साल 2011 के सीजन में गंभीर को आइपीएल में कप्तानी मिली थी। यही कारण है कि इरफान पठान ने दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर की कप्तानी के गुणों की सराहना करते हुए यह महसूस किया कि उन्हें भारत के लिए कप्तान के रूप में लंबे समय तक खेलना चाहिए था। साथ ही, इरफान ने यह भी साफ किया कि उन्हें सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले काफी पंसद हैं, क्योंकि उन्होंने भारत के कप्तान के रूप में काफी कुछ हासिल किया है। एक क्रिकेट वेबसाइट से बात करते हुए इरफान पठान ने कहा है कि मेरा मानना है कि गौतम गंभीर को भारतीय टीम के लिए ज्यादा मैच बतौर कप्तान खेलने थे। पठान ने कहा है, वह वास्तव में एक अच्छे कप्तान हो सकते थे। मैं वास्तव में विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करता हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी की प्रशंसा नहीं करता। लोग राहुल द्रविड़ के बारे में ज्यादा बात नहीं करते हैं, क्या वे उन्हें नापसंद करते हैं? उनकी कप्तानी में भारत ने पीछा करते हुए लगातार 16 वनडे जीते थे। एक विजेता कप्तान के रूप में महेंद्र सिंह धौनी की बात होती है, क्योंकि उन्होंने देश को काफी कुछ जिताया है।

इन 5 खिलाड़ियों के लिए आईपीएल 2020 हो सकता है आखिरी टूर्नामेंट

2 भारतीय भी हैं शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस महामारी के बीच इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन का ऐलान होने के साथ ही एक बार फिर से क्रिकेट फैंस और खिलाड़ियों के चेहरे खिल उठे होंगे। आईपीएल 2020 की शुरुआत 19 सितंबर से होने जा रही है। बीसीसीआइ जल्द ही यूएई में आयोजित होने वाले आइपीएल के शेड्यूल की घोषणा करेगी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनका ये आखिरी आइपीएल साबित हो सकता है। जी हां, ये सच है और ऐसे ही 5 खिलाड़ियों से आज हम आपको रूबरू कराएंगे, जो इस साल आखिरी बार आइपीएल में उतर सकते हैं। इन 5 खिलाड़ियों में दो भारतीय भी शामिल हैं। पाकिस्तानी मूल के साउथ अफ्रीकी स्पिन गेंदबाज इमरान ताहिर के लिए ये आइपीएल आखिरी हो सकता है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह ये है कि अब वे 41 साल के हो गए और जब इस लीग का 14वां सीजन यानी ढ्ढक्क 2021 खेला जाएगा तो इमरान उस समय 42 साल के हो जाएंगे। ऐसे में उनका आगे खेल पाना असंभव लगता है। इमरान ताहिर ने अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए अब तक 55 मैच खेले हैं। इतिहास के सबसे तूफानी बल्लेबाजों में से एक रहे वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के लिए ये भी सीजन आखिरी हो सकता है। उनके साथ भी उम्र का मसला है। सितंबर में 41 साल के हो रहे क्रिस गेल को शायद ही अगली बार मेगा ऑक्शन में कोई खरीदार मिले, क्योंकि भारत में कई ऐसे युवा ओपनर हैं जो उनकी जगह ले सकते हैं। क्रिस गेल की बात करें तो उन्होंने अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 125 मैच खेले हैं। साउथ अफ्रीका की टीम के तेज गेंदबाज डेल स्टेन इस समय 37 साल के हैं और अगले साल वे 38 के हो जाएंगे। ऐसे में एक तेज गेंदबाज के तौर पर 38 की उम्र में गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। यही कारण है कि वे साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। खुद भी मानते हैं कि अब उनमें ज्यादा क्रिकेट बची नहीं है। यहां तक कि 92 आइपीएल मैच खेलने वाले स्टेन पिछले साल चोट की वजह से 2 मैच खेल सके थे। भारतीय टीम के स्पिनर हरभजन सिंह 40 साल के हो गए हैं। उम्र, फिटनेस और प्रदर्शन की वजह से वे कई साल से भारतीय टीम से बाहर हैं, लेकिन वे आइपीएल में सक्रिय हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि भज्जी के लिए ये आइपीएल आखिरी हो सकता है, क्योंकि अब उनकी उम्र 40 के पार हो गई है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 160 आइपीएल मैच खेल चुके हरभजन सिंह के लिए अब शायद आगे आइपीएल में जगह नहीं होगी।

आईपीएल 2020 से पहले सभी खिलाड़ियों के होंगे चार कोरोना टेस्ट, इस बार टूर्नामेंट में दिखेंगे कई बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसमें सामने आ रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला बिना दर्शकों के खेला जाएगा। आईपीएल से पहले सभी खिलाड़ियों के 4-4 कोविड-19 टेस्ट होंगे। इसके अलावा कॉमेंटेटरों को 6 फीट की दूरी बनाकर बैठना होगा, जबकि पोस्ट मैच प्रजेंटेशन भी सोशल डिस्टेंसिंग के साथ आयोजित कराई जाएगी। वहीं, डगआउट में कम लोग होंगे, जबकि ड्रेसिंग रूम में 15 खिलाड़ियों से ज्यादा को अनुमति नहीं होगी। इसी तरह की मानक संचालन प्रक्रिया को टूर्नामेंट में बीसीसीआइ लागू करने जा रही है। सितंबर से नवंबर के बीच यूएई में आयोजित होने वाले आइपीएल में क्या खिलाड़ियों की पत्नी और गर्लफ्रेंड साथ में होगी, इस पर फ्रेंचाइजियों को निर्णय लेना है। आइपीएल 2020 के लिए अभी भारत सरकार से अनुमति मिलनी है, लेकिन यूएई ने मेजबानी को स्वीकार कर लिया है। एक अंग्रेजी वेबसाइट से बात करते हुए बीसीसीआइ के अधिकारी ने कहा है कि सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि फ्रेंचाइजियों के मालिकों, खिलाड़ियों की पत्नी या गर्लफ्रेंड को भी बायो-सिक्योर बबल को तोड़ने की अनुमति नहीं होगी। अधिकारी ने कहा है कि एक बार कोई बायो-बबल में आ गया तो फिर उसे इस एनवायरमेंट को तोड़ने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआइ के अधिकारी ने कहा है, यह तय नहीं करेगी कि (वाइफ एंड गर्लफ्रेंड) और परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ यात्रा कर सकते हैं या नहीं, हमने इसे फ्रेंचाइजी के लिए छोड़ दिया है, लेकिन हमने एक प्रोटोकॉल रखा है, जिसमें सभी लोग, यहां तक कि टीम के बस ड्राइवर, बायो-बबल नहीं छोड़ सकते। एक बार जब हम अगले सप्ताह उनके साथ बैठक करेंगे तो स्ह्क्क फ्रेंचाइजियों को सौंप दी जाएगी। यदि उन्हें कोई शिकायत होगी तो वे बोर्ड से इस पर चर्चा कर सकते हैं। एसओपी में यह भी बताया गया है कि प्रत्येक खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले दो सप्ताह के अंतराल में चार कोविड 19 टेस्ट से गुजरेंगे। दो टेस्ट भारत से यूएई के लिए जाने से पहले होंगे, जबकि बाकी के दो टेस्ट संयुक्त अरब अमीरात में क्वारंटाइन अवधि के दौरान किए जाएंगे। एसओपी को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा तैयार किए गए मानदंडों की तर्ज पर तैयार किया गया है। वहीं, एक बार अगर किसी टीम को होटल दे दिया गया तो फिर किसी भी कीमत पर उसे बदला नहीं जाएगा।

सारा तेंदुलकर और शुभमन गिल ने एक जैसे कैप्शन के साथ शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस महामारी के कारण लॉकडाउन के बाद से क्रिकेटरों के साथ-साथ अन्य फेमस हस्तियां भी सोशल मीडिया पर प्रमुख रूप से सक्रिय हो गई हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि उनके डाई-हार्ड फैन हमेशा उनकी सोशल मीडिया पोस्टों पर नजर रखते हैं और अक्सर कमेंट करते हैं। इस बार ऐसा ही कुछ भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ हुआ है। दरअसल, शुभमन गिल और सारा तेंदुलकर ने अपनी-अपनी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि अक्सर सेलेब्रिटी या फिर क्रिकेटर अपनी तस्वीरें पोस्ट करते हैं। हालांकि, इन दोनों की पोस्ट में जो बात कॉमन है, वो ये है कि सारा और शुभमन की तस्वीरों का कैप्शन एक जैसा है। शुभमन गिल ने एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर की है, जिसमें वह कूल सनग्लासेस, सफेद हुडी, मरून जैकेट, नीली डेनिम्स और सफेद स्नीकर्स में पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। गिल ने इसे कैप्शन दिया, ÷आई स्पाई÷। इसी बीच सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर, जो हाल ही में सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हुई हैं, उन्होंने अपनी दो तस्वीरें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने भी लिखा है, सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों के कैप्शन में समानता दिखने के बाद बिना समय बर्बाद किए एक के बाद एक कमेंट करने शुरू कर दिए। पहले तो सोशल मीडिया पर सिर्फ भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल को ट्रोल किया जा रहा था, लेकिन कुछ देर के बाद सारा की पोस्ट पर भी शुभमन से जुड़े कमेंट आने शुरू हो गए। आप नीचे देख सकते हैं कि लोग किस तरह के कमेंट दोनों के पोस्ट पर कर रहे हैं। बता दें कि 20 वर्षीय शुभमन गिल ने जनवरी 2019 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था और दो वनडे मैच खेले थे। इसके बाद उनको टेस्ट टीम में चुना गया, लेकिन वे टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सके। फर्स्ट क्लास करियर की बात करें तो उन्होंने 21 मैचों में 2133 रन बनाए हैं। इसमें 7 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि उनका औसत 73.55 का है। इस दौरान उन्होंने एक 268 रन की पारी भी खेली है।

जब एक टेस्ट मैच में सिर्फ एक गेंदबाज ने चटकाए 19 विकेट

64 साल के बाद भी है वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट के शुरू हुए 140 साल से ज्यादा का समय हो गया है। क्रिकेट के इस फॉर्मेट में दो ही बार एक कमाल हो सका है, जब एक ही गेंदबाज ने पूरी एक पारी को आउट किया है। पहली बार ये कमाल साल 1956 में हुआ था, जबकि दूसरी बार ये कमाल 1999 में हुआ था। पहली बार जब किसी गेंदबाज ने विपक्षी टीम के सभी 10 खिलाड़ियों को आउट किया था तो वो तारीख थी 31 जुलाई और साल था 1956, और आज भी 31 जुलाई ही है, जब हम इस विश्व रिकॉर्ड के बारे में बता रहे हैं। आपको ये बात जानकर हैरानी होगी कि इस विश्व रिकॉर्ड को बने 64 साल हो गए हैं, लेकिन कोई भी गेंदबाज इसको तोड़ नहीं पाया है। ये रिकॉर्ड विकेटों के मामले में तो टूट नहीं सकता, लेकिन कम रन देकर 10 विकेट लेकर इस रिकॉर्ड को तोड़ा जा सकता है। जी हां, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 1956 में 5 मैचों की एशेज सीरीज खेली जा रही थी। उस सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम लगातार दो एशेज सीरीज हार चुकी थी, लेकिन इस बार इंग्लैंड की टीम अपनी मेजबानी में एशेज ट्रॉफी बचाने के लिए खेल रही थी। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच दोनों देशों के बीच ड्रॉ खेला गया था, लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी थी। ऐसे में एक बार फिर से ऑस्ट्रेलिया सीरीज में आगे हो गई, लेकिन सीरीज के तीसरे मैच में इंग्लैंड ने जीत हासिल की और सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। इसके बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर सीरीज का चौथा मैच 26 जुलाई से शुरू हुआ, जो 31 जुलाई को समाप्त हुआ। उस दौरान मैच में एक दिन का ब्रेक होता था। इसलिए मुकाबला 6 दिन चलता था। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान पीटर मे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। इंग्लैंड की टीम ने पीटर रिचर्डसन (104), कोलिन कॉरडी (80) और डेविड शेपर्ड (113) की दमदार पारियों के दम पर 459 रन बनाए। इसके बाज जब ऑस्ट्रेलियाई टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो टीम को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन फिर जिम लेकर से गेंदबाजी कराई। जिम लेकर के सामने कंगारू टीम के बल्लेबाज घुटने टेकते गए और टीम 40.4 ओवर में 84 रन बना सकी। हैरान करने वाली बात ये रही कि जिम ने 9 विकेट चटकाए। पहली पारी में 16.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर 9 विकेट हासिल करने वाले जिम लेकर एक रिकॉर्ड बना चुके थे, क्योंकि उनसे पहले सिर्फ एक गेंदबाज ने ये कमाल किया था। हालांकि, किसको पता था कि उनका बेस्ट इसी मैच में आने वाला है। जी हां, इसी मैच की दूसरी पारी में जिम लेकर ने एक के बाद एक कंगारू टीम के सभी खिलाड़ियों को एक-एक करके पवेलियन भेज दिया और पूरी टीम को अपना शिकार बना लिया। फॉलोऑन खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम 205 रन पर ढेर हो गई। इस मैच में जिम लेकर ने 51.2 ओवर में 23 ओवर मेडेन फेंके और 53 रन देकर 10 विकेट झटके। ये आज तक विश्व रिकॉर्ड है। हालांकि, साल 1999 में भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने भी एक पारी में 10 विकेट चटकाए थे, लेकिन उन्होंने 74 रन खर्च किए थे। इतना ही नहीं, एक टेस्ट मैच में 19 विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड भी जिम लेकर के ही नाम दर्ज है, क्योंकि इसी मैच की दोनों पारियों में उन्होंने कुल मिलाकर 19 विकेट हासिल किए थे।

संजय मांजरेकर ने बीसीसीआई से कहा- मानूंगा सारी शर्तें

आईपीएल 2020 की कमेंट्री पैनल में शामिल कर लो

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज व कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने पिछले साल विवादास्पद टिप्पणी कर दी थी और इसके बाद वो काफी सुर्खियों में आ गए थे। इसके बाद बीसीसीआइ ने उन पर एक्शन लिया और उन्हें सीजन के अंत में कमेंट्री पैनल से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। हालांकि इसे लेकर बोर्ड ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी, लेकिन वो मार्च में साउथ अफ्रीका के खिलाफ धर्मशाला में कमेंट्री पैनल का हिस्सा नहीं थे। इसके बाद ही ये साबित हो गया था कि वो पैनल से बाहर हो चुके हैं। वैसे ये मैच बारिश की वजह से नहीं खेला जा सका था और उसके बाद कोविड 19 महामारी की वजह से ये वनडे सीरीज स्थगित कर दी गई थी। अब 55 साल के मांजरेकर 2020 के जरिए कमेंट्री की दुनिया में फिर से वापसी की कोशिश कर रहे हैं। एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक एक बार फिर से सजंय ने बीसीसीआइ को मेल किया है कि वो उनके नियमों का पूरी तरह से पालन करेंगे। वैसे ये दूसरा मौका है जब उन्होंने बोर्ड को मेल किया है। मांजरेकर ने अपने मेल में लिखा कि एपेक्स काउंसिल के सम्मानित सदस्य, आशा करता हूं आप सभी अच्छे होंगे। मैंने अपने कमेंटेटर पद के लिए आपको पहले भी मेल भेजा है और वो आपको मिल गया होगा। अब ढ्ढक्क 2020 के तारीख की घोषणा कर दी गई है और बीसीसीआइ टीवी जल्दी ही कमेंट्री पैनल का चयन करेगी। मुझे आपके गाइनलाइन के मुताबिक काम करके खुशी मिलेगी। हम सब इस बात पर काम कर रहे हैं कि आपकी जरूरत क्या है। पिछली बार हो सकता है इसे लेकर मुझे बहुत ज्यादा स्पष्टता नहीं था। धन्यवाद। पिछले साल यानी 2019 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को बिट्स एंड पीस खिलाड़ी कहा था। उनकी इस टिप्पणी पर काफी बखेरा खड़ा हुआ था। वहीं इसके बाद जडेजा ने ऊभी उन्हें करारा जवाब दिया था। वहीं उन्होंने भारत के पहले पिंक बॉल टेस्ट के दौरान भी क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले की साख पर भी सवाल उठा दिए थे। अब मांजरेकर ने बीसीसीआइ से पैनल में वापस लेने का निवेदन तो किया है, लेकिन ये देखना होगा कि क्या बोर्ड उन्हें वापस कमेंट्री पैनल में शामिल करता है।

कंगना रनौत ने नहीं किया सुशांत के पिता केके सिंह से कोई संपर्क

सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद से इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा मुखर रहने वालों में से एक ऐक्ट्रेस कंगना रनौत हैं। हालांकि कंगना पर सुशांत के निधन का इस्तेमाल अपने खुद के प्रोपगेंडा के लिए इस्तेमाल करने के भी आरोप लगते रहे हैं। कंगना ने बॉलिवुड के कुछ खास लोगों को श्मूवी माफिय़ाश् कहते हुए दावा किया है कि उनके कारण ही सुशांत सिंह ने आत्महत्या की है। अब इस मामले पर सुशांत के परिवार के एक वकील ने एंटरटेमेंट पोर्टल से बात की है। उन्होंने कहा, श्मेरी नॉलेज में अभी तक कंगना ने सुशांत के परिवार से कोई संपर्क नहीं किया है। मेरी जानकारी में उन्होंने मेरे मुवक्किल केके सिंह से कोई बात नहीं की है। कंगना के नेपोटिजम पर बात करने को लेकर उन्होंने कहा, श्यह एकदम अलग ऐंगल है। अगर कल को मुंबई पुलिस को लगता है कि किसी आउटसाइडर या छोटे शहर से आए हुए व्यक्ति को बॉलिवुड में खतरा है तो तब इस ऐंगल पर आगे बढ़ा जा सकता है। केके सिंह के वकील ने आगे कहा, श्मुझे नहीं लगता है कि पुलिस को नेपोटिजम वाली थिअरी में जाना चाहिए। शायद इस मामले को ऐक्टर्स की असोसिएशन को उठाना चाहिए लेकिन मुझे नहीं लगता कि कंगना जो बात कर रही हैं उसका संबंध इस केस से है। बता दें कि मुंबई पुलिस पहले ही सुशांत सिंह राजपूत के केस में कंगना रनौत से पूछताछ के लिए समन भेज चुकी है लेकिन कंगना ने अपने होम टाउन मनाली से आकर बयान दर्ज कराने से मना कर दिया है। इससे पहले ऐक्टर सोनू सूद ने भी कहा था कि सुशांत सिंह राजपूत के केस में वे लोग बोल रहे हैं जो उनसे कभी मिले भी नहीं थे। ऐसा माना जा रहा है कि उनका इशारा भी कंगना रनौत की तरफ ही था। कंगना ने एक टीवी इंटरव्यू में करण जौहर, आदित्य चोपड़ा और महेश भट्ट जैसे बड़े नामों पर कई संगीन आरोप लगाए थे। इसके बाद मुंबई पुलिस आदित्य चोपड़ा, महेश भट्ट और करण जौहर के धर्मा प्रॉडक्शन के सीईओ अपूर्व मेहता से पूछताछ कर चुकी है। माना जा रहा है कि जरूरत पड़ने पर मुंबई पुलिस करण जौहर से भी पूछताछ कर सकती है। मुंबई पुलिस ने दो बार कंगना से पूछताछ के लिए समन भी जारी किए हैं लेकिन कंगना ने अभी तक अपने बयान दर्ज नहीं कराए हैं। सुशांत सिंह राजपूत केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब रिया चक्रवर्ती का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। इस वीडियो में रिया भाई लोगों की भाषा में बोलती नजर आ रही हैं। वह कह रही हैं कि मुझे पता है गुंडों को कैसे मैनीप्युलेट करना है और उनका बॉयफ्रेंड छोटा गुंडा है। हालांकि यह बात साफ नहीं हो सकी कि यह कब का वीडियो है और रिया किस बॉयफ्रेंड की बात कर रही हैं। रिया चक्रवर्ती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड हो रहा है। इसमें वह बता रही हैं कि वह कैसे आराम बात से पलट सकती हैं। वह इसका उदाहरण भी बताती हैं कि कैसे मां-बाप के सामने झूठ बोलकर अपने भाई को हैरान कर दिया था, सबकी झूठी कसम भी खा ली थी। वहीं ये भी कहती हैं कि उन्हें पता है कि गुंडों को कैसे मैनीप्यूलेट करना है। वह बोलती हैं कि वह गुंडों से काम लेती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डॉन उनके ऊपर है और वह बता भी नहीं सकतीं। आखिर में रिया यह भी कहती हैं कि रेकॉर्ड मत करना। यह वीडियो वायरल होने के बाद रिया चक्रवर्ती ट्विटर पर ट्रेंड करने लगी हैं। फॉलोअर्स रिया का ये रूप देखकर हैरान भी हैं। बता दें कि सुशांत के पिता ने आरोप लगाया है कि रिया ने उनके बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाया था। वहीं सुशांत के हाउस हेल्प ने उनकी बहन को बताया था कि रिया काले जादू में इन्वॉल्व थीं। इस मामले की जांच बिहार पुलिस कर रही है।

सुशांत मामले में लग रहे आरोपों पर रिया बोलीं- भगवान, न्याय पर भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ बिहार में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने रिया के खिलाफ कई बड़े आरोप लगाए हैं। इस बीच रिया के वकील ने एक्ट्रेस से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह कहती हैं, %मुझे भगवान और न्यायतंत्र पर पूरा भरोसा है। मुझे इंसाफ जरूर मिलेगा। मेरे बारे में कई भयंकर बात कही गई है। मुझे इस बारे में अभी कमेंट करने से मेरे वकील ने मना किया है। सच्चाई की जीत होगी। सत्यमेव जयते। बता दें कि रिया ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर केस को मुंबई पुलिस को ट्रांसफर करने की मांग की। रिया ने कहा है कि उनका सुशांत की आत्महत्या में कोई हाथ नहीं है। हालांकि, याचिका में रिया ने माना कि वह पिछले एक साल से सुशांत सिंह राजपूत के साथ लिव इन में रह रहीं थीं। रिया ने याचिका में लिखा कि वह 8 जून को सुशांत का फ्लैट छोड़कर अपने घर चली गई थीं। रिया ने कहा कि सुशांत डिप्रेशन से जूझ रहे थे और एंटी डिप्रेशन दवा भी ले रहे थे। इसके अलावा रिया ने याचिका में यह भी कहा कि सीआरपीसी की धारा 177 के मुताबिक आपराधिक मामले की जांच और सुनवाई केवल वहीं हो सकती है, जहां अपराध हुआ हो। इसके साथ ही उन्होंने केस को मुंबई ट्रांसफर करने की मांग की।

अभिषेक पर यूजर ने तंज कसते हुए किया सवाल-पिता अस्पताल में किसके भरोसे

एक्टर ने दिया करारा जवाब

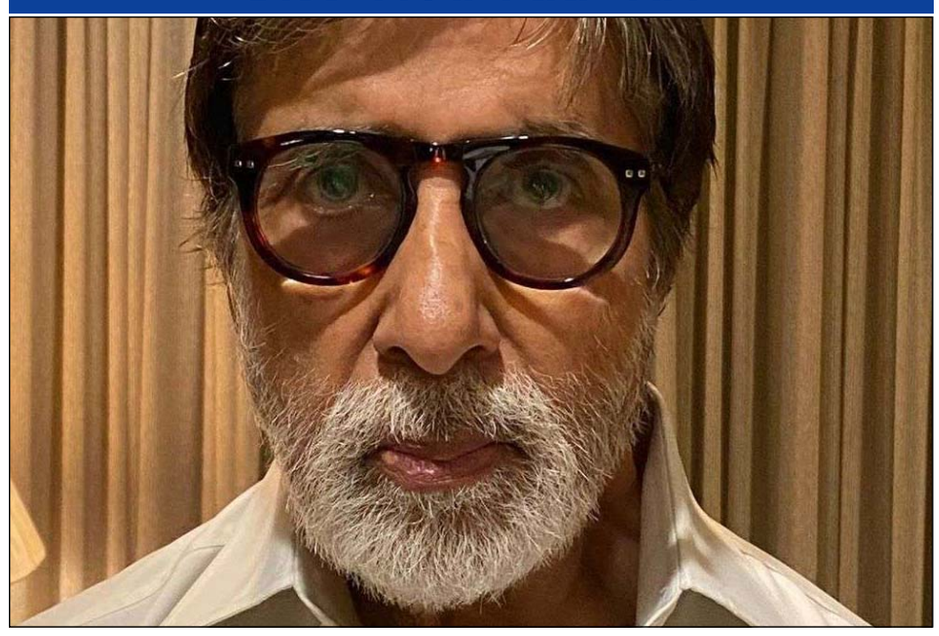

मुंबई के नानावटी अस्पताल में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और बेटे अभिषेक बच्चन कोरोना पॉजिटिव आने के बाद से पिछले कई दिनों से एडमिट हैं। हालांकि कोरोना पॉजिटिव आने के बाद ऐश्वर्या और अराध्या भी इसी अस्पताल में भर्ती हुई थी लेकिन अब वह दोनों डिस्चार्ज होकर घर जा चुकीं हैं। वहीं अभी भी अस्पताल में अपना इलाज बिग बी और अभिषेक बच्चन करा रहे हैं। जब से फैंस को पता चला है कि बच्चन परिवार को भी कोरोना ने अपनी चपेट में ले लिया है तब से लगातार उनके स्वस्थ होने की दुआएं मांगी जा रही हैं। इसी बीच ऐसे कुछ लोग हैं जो उन्हें ट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। अभिषेक बच्चन पर तंज कसते हुए एक यूजर ने सोचिए मीडिया पर सवाल किया। यूजर ने कहा, पिता अस्पताल में भर्ती हैं, अब किसके भरोसो बैठकर खाओगे। हालांकि कई फैंस ने यूजर पर इस सवाल के बाद भड़ास निकाली। लेकिन जब सोशल मीडिया पर यह ट्वीट तेजी से वायरल होने लगा तो खुद अभिषेक ने सामने आकर यूजर को जवाब दिया। यूजर के इस अजीबोगरीब सवाल का जवाब देते हुए अभिषेक बच्चन ने लिखा, फ्लिहाल तो लेट के खा रहे हैं दोनो एक साथ अस्पताल में। अब आप सोच रहें होंगे कि यूजर और अभिषेक की बातचीत यहीं पर खत्म हो गयी लेकिन इनकी आगे भी बात हुई। इसके बाद फिर यूजर ने अभिषेक के जवाब पर तंज कसतेहुए लिखा- आप जल्दी ठीक हो जाएं, हर किसी की किस्मत में लेट कर खाना कहा। यूजर के इस सवाल का जवाब भी अभिषेक ने बहुत आराम से दिया जिसे देखकर हर कोई उनका दीवाना हो गया। अभिषेक ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं प्रार्थना करूंगा कि आप हमारी जैसी परिस्थिति में कभी ना आएं और हमेशा स्वस्थ रहें। आपकी दुआओं के लिए शुक्रिया। यूजर और अभिषेक की ये बातचती सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। यूजर के ऐसे सवालों पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमिताभ बच्चन ने ट्रोलर्स की हाल ही में जमकर क्लास लगाई। ट्रोल्स को अपने ब्लॉग में बिग बी ने चेतावनी देते हुए कहा था कि तुम्हारा पंगा अमिताभ बच्चन से पड़ गया है। फैंस ने अपने रिएक्शंस अमिताभ बच्चन के ट्वीट पर दिए थे। हालांकि कोरोना से जंग इस समय अमिताभ और अभिषेक लड़ रहे हैं। लेकिन वह सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव हैं। सोशल मीडिया पर लगातार अपनी हेल्थ अपडेट भी अमिताभ दे रहे हैं।

बिहार के मंत्री ने रिया को बताया विषकन्या

कहा- सुशांत की हत्या के पीछे बड़ा गैंग

पटना, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या मामले में पटना में दर्ज एक एफआईआर के बाद बिहार पुलिस की टीम मुंबई पहुंची है। दूसरी तरफ बिहार में इस मामले पर राजनीतिक बयानबाजियों का दौर तेज हो गया है। पहले राय के डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने मुंबई पुलिस पर बिहार पुलिस का सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया। अब बिहार सरकार में मंत्री और जेडीयू नेता महेश्वर हजारी ने रिया चक्रवर्ती पर निशाना साधते हुए उन्हें विषकन्या करार दिया है। हजारी ने कहा कि सुशांत की हत्या के पीछे एक बड़े गैंग का हाथ है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, हजारी ने कहा, सुशांत सिंह राजपूत की हत्या के पीछे एक बड़ा गिरोह है। इससे पहले भी काम के लिए मुंबई गए प्रतिभाशाली लोगों को मार दिया गया था। इस गिरोह ने रिया चक्रवर्ती का इस्तेमाल किया। उसने (रिया) सुशांत सिंह राजपूत को प्रेम में फंसाया और उसके पैसे ट्रांसफर करवा लिए। बाद में उसने भूत-प्रेत का नाटक शुरू कर किया और एक विषकन्या की भूमिका निभाई। रिया ने सुशांत के प्रतिभा को नुकसान पहुंचाया और प्यार को भी बदनाम कर दिया। हजारी ने कहा, बिहार सरकार चाहती है कि सुशांत की मौत के पीछे काम करने वाले गिरोह के हर सदस्य का नाम सामने आए। सुशांत के परिवार और उनके फैंस को न्याय मिलना चाहिए। मैं सीबीआई जांच के लिए भी निवेदन करता हूं। बिहार सरकार पटना में दर्ज एफआईआर में भी जांच सुनिश्चित करेगी और आरोपी को गिरफ्तार करेगी। इससे पहले बिहार के डिप्टी सीएम और भारतीय जनता पार्टी के नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि मुंबई पुलिस सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले की बिहार पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच में रुकावट डाल रही है। बीजेपी को लगता है कि इस मामले की जांच अब सीबीआई को सौंपी जाए। सुशील मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मुंबई पुलिस सुशांत की मौत मामले में बिहार पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच करने के रास्ते में रुकावट डाल रही है। बिहार पुलिस अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है लेकिन मुंबई पुलिस से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। बीजेपी को लगता है कि इस मामले को अब सीबीआई को सौंप देना चाहिए। दूसरी तरफ, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान ने भी इस मामले को सीबीआई को सौंपने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि दो रायों के बीच टकराव की स्थिति है, लेकिन अभी तक महाराष्ट्र में कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है। चिराग पासवान ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से इस मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर बातचीत भी की थी। सभी राजनीतिक दल सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। इस केस को अब सीबीआई को सौंप देना चाहिए। मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की लगातार मांग उठ रही है। हालांकि महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से बार-बार इनकार किया है।

प्रियंका के बाद अब विराट-अनुष्का बिहार-असम में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आए आगे

लोगों से की ये खास अपील

पूरा देश इस समय कोरोना महामारी के खिलाफ जंग लड़ रहा है वहीं दूसरी तरफ असम और बिहार जैसे राज्यों में बाढ़ की वजह से लोग बेहाल हो चुके हैं। ऐसे में बिहार और असम में तीन संगठन हैं जो राहत और पुनर्वास का काम कर रहे हैं जिससे लोग एक बार फिर से सामान्य जीवन जी सकें। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपने पति क्रिकेटर विराट कोहली के साथ मिलकर इन तीनों संगठनों को अज्ञात राशि दान में देकर वहां के पीड़ित लोगों की मदद की है।

असम और बिहार में राहत कार्य के लिए अनुष्का और विराट ने दिल खोलकर हजारों पीड़ितों की मदद की है। बिहार और असम में विनाशकारी बाढ़ ने पिछले दिनों कहर मचाया है। अपने इंस्टाग्राम पर विराट और अनुष्का दोनों ने इस बात की जानकारी दी है। अनुष्का शर्मा ने पोस्ट लिखते हुए कहा, जब हमारा देश कोरोना वायरस महामारी से लड़ाई लड़ रहा है, असम और बिहार में लोग भीषण बाढ़ के कारण पीड़ित हैं, इससे इतने सारे परिवार और आजीविका प्रभावित हुई हैं। हम असम और बिहार के लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैंस विराट और मैंने बाढ़ राहत और कल्याण में विश्वसनीय काम करने वाले तीन संगठनों का समर्थन करके जरूरतमंद लोगों की मदद करने का संकल्प लिया है। आपको भी आगे आकर इन संगठनों की मदद करनी चाहिए ताकि इन राज्यों का समर्थन करने के लिए मदद पहुंच सके। बिहार और असम में राहत का कार्य रैपिड रिस्पांस, एक्शन एड और गूंज इन तीनों संगठनों को एक अज्ञात राशि विराट और अनुष्का ने दान में दी है। बिहार और असम में इस भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों के कल्याण के लिए यह तीनों संगठन काम कर रहे हैं और उन्होंने अपनी पोस्ट में इनका लिंक भी शेयर किया है। हालांकि इससे पहले बिहार और असम में बाढ़ राहत और पुनर्वास कार्य के लिए एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और पति निक जोनास ने भी दान किया था। प्रियंका चोपड़ा ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, भारत में मानसून ने देश के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। बिहार राज्य में जहां मेरा जन्म हुआ है, लगातार भारी बारिश से बाढ़ग्रस्त है। असम की तरह यहां भी लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और कई लोग विस्थापित हो गए हैं क्योंकि उनके घर जलप्रलय में बह गए थे। जैसे-जैसे वे इस तबाही से जूझ रहे हैं, उन्हें हमारी मदद की जरूरत है। निक और मैंने पहले ही कुछ संगठनों को दान दिया है जिनकी टीम राज्य में सक्रिय राहत और पुनर्वास कार्य में लगी हुई गूंज और जोमाटो फीडिंग इंडिया जैसे कुछ संगठनों के लिंक प्रियंका ने शेयर किये थे और अपने फैंस को दान करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। ऐसी ही एक घोषणा असम के लिए दान करते समय प्रियंका ने की थी और वह उसकी राजदूत भी हैं। वहीं दूसरी तरफ एक्टर सोनू सूद ने बिहार में एक परिवार को भैंस देने के लिए अपनी टीम को कहा है। दरअसल उस परिवार ने अपने बेटे और दो भैंसों को बाढ़ में खो दिया है।

सोनू सूद ने जन्मदिन पर प्रवासी मजदूरों को दिया खास गिफ्ट

किया 3 लाख नौकरियां देने का ऐलान

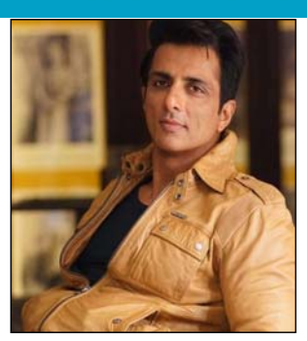

फिल्म अभिनेता सोनू सूद कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों के लिए किसी भगवान से कम साबित नहीं हुए। खासतौर पर उन्होंने लॉकडाउन के समय दिहाड़ी वर्ग के लिए जो पुण्य का काम शुरू किया वो आज भी वैसे का वैसे ही जारी है और एक्टर अभी भी किसी की मदद करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। तभी तो हाल ही में उन्होंने खेत में काम रही लड़कियों के पिता को ट्रेक्टर दिया और अब प्रवासियों को रोजगार देने की भी मुहिम चला दी है। वैसे खुशी की बात यह है सोनू सूद आज अपना 47वां जन्मदिन माना रहे हैं और जन्मदिन के खास मौके पर भी एक्टर ने प्रवासी भाइयों को एक बहुत बड़ा तोहफा दिया है। जी हां प्रवासी मजदूरों के मसीहा बन चुके सोनू सूद ने अब उनके लिए रोजगार का भी प्रबंध कर दिया है। कोरोना संकट में देशभर में लागू हुए लॉकडाउन में इन मजदूरों की मदद करने वाले सोनू सूद को उनके रोजगार की चिंता होने लगी। ऐसे में अब उनकी ये दरियादिली ही कहें कि उन्होंने आज अपने जन्मदिन पर एक खास ऐप की घोषणा कर की है, जिसका नाम भी उन्होंने प्रवासी रोजगार ही रखा है और इसके जरिए करीब 3 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराने की बात उन्होंने कह डाली है। सोनू सूद की ये प्रवासी रोजगार साइट शुरू हो गई है। इस ऐप से लगभग 500 कंपनियां और एनजीओ जुड़े हैं और ये अलग-अलग सेक्टर्स में लोगों को नौकरियां उपलब्ध कराएंगे। वहीं साइट पर हेल्पलाइन नंबर भी दिया हुआ है। इस सुविधा के बारे में पहले भी खबर आई थी जिसकी आज सोनू ने ऑफिशियल तौर पर शुरुआत कर दी है। इस ऐप के लिए पहले लोगों को अपना रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा फिर उनकी एक प्रोफाइल तैयार होगी, ताकि उनकी योग्यता का पता रहे। वैसे प्रवासी मजदूरों को वापस घर पहुंचाने के बाद से सोनू उनके रोजगार को लेकर भी काफी चिंता में थे जिसके बाद उन्होंने ये प्री का उपाय निकाला,ताकि उन्हें किसी भी सूरत में रोजगार की दिक्कत न हो सके। एक्टर का कहना है इस ऐप की मदद से लोगों को काम मिलने में काफी आसानी होगी। सोनू सूद के इस नेक काम के लिए लोगों के बीच एक बार फिर खुशियों की लहर है। फैन्स उनके ऊपर जमकर प्यार लुटा रहे हैं साथ ही जन्मदिन पर उन्हें ढेरों बधाइयां भी दे रहे हैं।

अपने अंकल की आर्मी कैप पहने कुछ ऐसी दिखी कंगना

बहन रंगोली ने शेयर की तस्वीर

फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे अपने शहर-गांव में कोरोना वायरस महामारी के बाद से रह रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत भी मनाली अपने घर में पिछले कई महीनों से परिवार वालों के साथ रह रही हैं। कंगना वहां से ही इंडस्ट्री में चल रही अलग-अलग बहस पर अपनी राय लगातार रख रही हैं। हालांकि इस दौरान उन्हें परिवार के साथ खूब एन्जॉय करते हुए भी देखा गया है। वैसे तो वह लोगों से मिलजुल रही हैं। इसी बीच अपने अंकल यानी फूफाजी के घर कंगना पहुंचीं उनसे मिलने। हाल ही में अपने अंकल के घर कंगना रनौत गईं। सोशल मीडिया पर कंगना की टीम ने इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कंगना के अंकल अमिताभ को प्रेसिडेंट से सम्मानित अवॉर्ड शौर्य चक्र मिला है। उनकी बहादुरी के लिए ये अवॉर्ड उन्हें मिला है। हालांकि अपने अंकल की आर्मी कैप भी कंगना ने इस दौरान पहनी। सोशल मीडिया पर कंगना की यह दोनों तस्वीरें साझा की गयीं हैं।

रंगोली चंदेल ने भी कंगना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की है। इनमें से एक तस्वीर में आर्मी कैप पहने कंगना नजर आ रही हैं। जबकि दूसरी तस्वीर में रंगोली के साथ कंगना दिखाई दे रही हैं और इसमें दोनों ने आर्मी कैप लगाई हुई है। कंगना पूरे लॉकडाउन मनाली में थीं। यहां पर कुछ महीने पहले ही अपना घर कंगना ने बनवाया था। इसी घर में वह अभी रह रही हैं। कई बार उनकी बॉन्डिंग इस दौरान बहन रंगोली के बेटे के साथ नजर आई है। सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें शेयर की गयी हैं। हालांकि इस दौरान वह परिवार के साथ आस-पास घूमने भी गयी थी। जब बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या की थी उसके बाद से लगातार कंगना रनौत इंडस्ट्री में चल रहे नेपोटिज्म पर बहस कर रही हैं। नेपोटिज्म को बढ़ावा देने का आरोप उन्होंने इंडस्ट्री के कई बड़े बैनर्स पर लगाया।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशन कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।